दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 40 | ग्वालियर मंगलवार 08 नवम्बर 2022 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

मोरबी में मौत और मातम के बावजूद लोग क्यों चाहते हैं पहले जैसा पुल

मोरबी। मोरबी में 30 अक्टूबर को ब्रिटिश काल का सस्पेंशन ब्रिज टूट कर गिर गया था, जिसमें 135 लोगों की मौत हो गई थी। जुल्टो पुल के नाम से चर्चित इस ब्रिज को मोरबी का ताज कहा जाता था। यह मोरबी की सबसे बड़ी पहचान था। हादसे को एक हफ्ते हो चुके हैं। बचाव दल घटनास्थल से जा चुके हैं। पुल के उदास अवशेष लटक रहे हैं। लेकिन शहर के निवासियों का माचू नदी के किनारे पर आना जारी है। हादसे को लेकर प्रशासनिक छानबीन और सियासी आरोप प्रत्यारोपों का दौर जारी है लेकिन मोरबी शहर के लोग इस पुल की भव्यता और खूबसूरती को मिस कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पुल मोरबी के ताज में एक गहना की तरह था। यह शहर की सबसे बड़ी पहचान था। इस पुल के जीर्णोद्धार को लेकर आवाजें बुलंद होने लगी हैं।

टाइल डीलर देवेंद्र पटेल भी माचू नदी के किनारे पहुंचने वालों में से एक हैं। वह कहते हैं कि यह पुल हमारे शहर की पहचान था। आज रास्ते से गुजरते हुए जब मुझे जूल्टो पुल नहीं दिखा तो मुझे एक शून्य महसूस हुआ। देवेंद्र कहते हैं कि 1996 में जब टिकट की कीमत 50 पैसे या एक रुपये थी, तब मैं और मेरे साथी नदी के एक तरफ अपनी साइकिलें पार्क करते थे और दूसरी तरफ एक इंजीनियरिंग कॉलेज तक जाने के लिए इस पुल की मदद लेते थे। यह पुल तीन किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी बचाता था। अक्सर, हमें बिना शुल्क के जाने दिया जाता था। अभी भी कुछ दिनों के अंतराल पर मैं पुल पर पहुंच जाया करता था। स्थानीय होटल व्यवसायी कुलिन ठाकुर कहते हैं कि सस्पेंशन ब्रिज दीवार घड़ियों और सिरेमिक टाइलों के लिए जाने जाने वाले इस शहर की पहचान हुआ करता था। यह ब्रिज बाहरी लोगों के साथ स्थानीय लोगों के लिए भी बड़े आकर्षण का केंद्र था। अगर हम एक सेल्फी चाहते थे, तो यह जगह उसके माकूल थी। अगर हम सैर करना चाहते थे, तो यह पुल एक लोकप्रिय गंतव्य था। छुट्टियों के दौरान हम यहां चले आते थे। यदि कोई रिश्तेदार आता था तो हम उन्हें पुल को दिखाने ले जाते थे। इस पुल के आस पास पर्यटन की कई जगहें हैं। पुल के आस पास कई चर्चित मंदिर, एक महल और एक दरगाह, सभी एक किलोमीटर के दायरे में मौजूदा हैं। 233 मीटर लंबे और 1.25 मीटर चौड़े जुल्टो पुल का उद्घाटन 1879 में किया गया था। यह मोरबी-1 और मोरबी-2, शहर के दो हिस्सों को जोड़ता था। मोरबी में स्थित नाट्य कला चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष दर्पण दवे बताते

हैं कि तत्कालीन शासक वाघजी ठाकोर को विदेश यात्राओं का शौक था। उन्होंने अपनी यूरोप यात्रा के बाद इस पुल के निर्माण के लिए सामग्री का आयात किया था। स्थानीय कैब ड्राइवर रितेश प्रजापति कहते हैं कि इस जगह से मेरी मां की यादें जुड़ी हुई हैं जो मुझे यहां खींच लाती हैं। हम अक्सर नदी में गोता लगाते थे, तब इसका पानी बहुत साफ हुआ करता था। पुल के दूसरी ओर मोरबी-2 में पान की दुकान चलाने वाले गिरीशभाई जोशी कहते हैं कि अधिकांश लोगों को इसे स्विंग कराने में मजा आता था। मुझे याद है, लोगों ने इसे स्विंग कराने के लिए लात मारते थे। पुल पर दो लोग हो तब और भीड़ हो तब लोग लात मारते थे। यही इस पुल पर जाने का रोमांच हुआ करता था। गिरीशभाई जोशी कहते हैं कि मोरबी में यह पुल स्थानीय लोगों के लिए भी खास था। मुझे उम्मीद है कि एक दिन फिर इसको बनाया जाएगा। स्थानीय निवासी नगमा कहती हैं कि नीचे बहती नदी और उसके किनारे पर पेड़-पौधे, धूल से जूझ रहे शहर के निवासियों के लिए यह घूमने की बेहतरीन जगह थी। मेरे बच्चे अक्सर मुझे पुल पर ले जाने के लिए परेशान करते थे। हम सभी हर बार यहां खुद को प्रकृति के करीब पाते थे। स्थानीय निवासी सैफ इब्राहिम कहते हैं कि आम दिनों में, पुल पर 10-15 लोग होते हैं। वीकेंड पर 100 से 150 लोगों की भीड़ यहां हो जाती है। 30 अक्टूबर को लंबी छुट्टी का आखिरी रविवार था, इसलिए क्षमता से ज्यादा भीड़ जमा हो गई थी। स्थानीय व्यवसायी जयेशभाई पटेल कहते हैं कि अगर 145 साल पुरानी तकनीक इतने लंबे समय तक कायम थी तो लोगों के पास आंख मूंदकर भरोसा करने का विकल्प था कि आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल इसे सुरक्षित बनाने के लिए जरूर किया गया होगा। पुल के टूटने से लोगों में नाराजगी है। लोगों को उस भव्यता की अनुपस्थिति खटकती है जो मोरबी की पहचान थी। वसंतभाई प्रजापति का मानना है कि इस हादसे से बचा जा सकता था। हर सार्वजनिक पार्क में गार्ड होते हैं। लेकिन ओरेवा ने पुल पर सुरक्षा गार्डों को तैनात करना उचित नहीं समझा। कंपनी केवल लागत निकालने की कोशिश कर रही थी। लोग सवाल करते हैं कि क्या पुलिस को इस जगह पर जमा होने वाली भीड़ को लेकर सक्रिय नहीं होना चाहिए था। पुल सुरक्षित है या नहीं, क्या इसकी जांच नगर पालिका को नहीं करनी चाहिए थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल को फिर से बनाना होगा। स्थानीय निवासी दर्पण दवे कहते हैं कि 2024 के आम चुनावों में, पुल के पुनरुत्थान का वादा करने वाले राजनेता को चुना जाएगा। यदि नया पुल बनाया जाता है, तो मोरबी के लोगों के लिए यह जुल्टो पुल के जैसा नहीं होगा लेकिन फिर भी वे ऐसे पुल का निर्माण चाहते हैं। केवल अपनी यादों और पहचान को बरकरार रखने के लिए। स्थानीय लोग चाहते हैं कि शहर की पहचान कायम रहे।

मुंबई में अशीष शेलार का खुला ऐलान
बीजेपी को मिलेगी बीएमी की कमान

मुंबई। अंधेरी पूर्व विधानसभा सीट पर उपचुनाव खत्म ही हुई है कि बृह्नमुंबई महानगरपालिका यानी चुनाव का मुद्दा गूंजने लगा है। हालांकि, अभी तक चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने ऐलान कर दिया है कि बीएमसी में अगले मेयर पार्टी से ही होगा। खास बात ही करीब तीन दशकों से शिवसेना का नियंत्रण है। रविवार को मुंबई भाजपा के प्रमुख अशीष

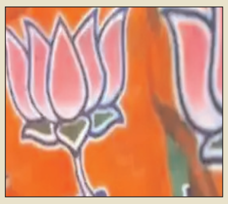

शेलार और मुंबई नॉर्थ सेंट्रल से सांसद पूनम महाजन ने बांद्रा के गवर्नमेंट कॉलोनी ग्राउंट से अभियान की शुरुआत कर दी है। खास बात है कि यह स्थल उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री से कम ही दूरी पर मौजूद है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाजपा नेताओं का कहना है कि यह उद्धव के लिए सीधा संदेश है। इस मौके पर शेलार ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा और भ्रष्टाचार करने के आरोप लगाए।

शेलार ने उद्धव को लेकर कहा, जिसके वोट चाहे ले लीजिए, न मराठी और न मुस्लिम आपके लिए मतदान करेगा। लेकिन हमारा सवाल है कि ऐसा समय क्यों आया कि आपको जाति और धार्मिक बातों पर वोट मांगना पड़ रहा है। आपका (शिवसेना) 25 सालों से ज्यादा समय तक कब्जा रहा, है न तो आप क्यों अपने किए हुए काम के आधार पर वोट नहीं मांग रहे हैं। जून में एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद तब की शिवसेना में फूट पड़ गई थी। इसके बाद राज्य से महाविकास अघाड़ी की सरकार भी गिर गई। ऐसे में भाजपा को भरोसा है कि शिंदे के नेतृत्व वाली बालासाहेबांची शिवसेना की मदद बीएमसी चुनाव में फायदेमंद हो सकती है। साल 2017 में शिवसेना ने 227 में से 84 सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि, भाजपा 82 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर थी। महाराष्ट्र में शिवसेना के मुखपत्र सामना में मराठी मुस्लिम सेवा संघ और बिल्किस बानो मामले का जिक्र भी चर्चा में है। शेलार का कहना है, शिवसेना उद्धव बालासाहेब पार्टी मराठी और मुस्लिम वोट जुटाना चाहती है, लेकिन उन्होंने चतुराई से उन्हें मराठी मुस्लिम कह दिया है। आंकड़े बताते हैं कि मुंबई में मुस्लिम आबादी 21 प्रतिशत है। जबकि, मराठी भाषी 30 फीसदी हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की प्रवक्ता डॉक्टर मनीषा कयांदे का कहना है कि पार्टी कभी भी मुसलमानों के खिलाफ नहीं रही। उन्होंने कहा, अगर आप बालासाहेब ठाकरे के पुराने भाषण देखेंगे, तो पाएंगे कि वह उनसे (मुसलमानों) नफरत नहीं करते थे।

धारा 370 ने देश को दिया आतंक का दंश

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पर जमकर बरसे सीएम योगी आदित्यनाथ

ऊना। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने आतंकवाद की जड़ को पैदा करने के लिए देश में धारा 370 लगाई थी। जानबूझ कर जम्मू-कश्मीर में लगाई गई 370 देश ने आंतकवाद का दंश झेला। कांग्रेस के शासनकाल में ही आंतकवादी और आतंकवाद दोनों ही चरम सीमा पर थे। सोमवार को हिमाचल प्रदेश के ऊना में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए यूपी सीएम योगी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी को जैसे ही अवसर मिला उन्होंने धारा 370 को जम्मू-कश्मीर से हटा दिया। अब जम्मू-कश्मीर भी अब देश के बाकि राज्यों की तरह ही है। कहा कि अब हिमाचल प्रदेश सहित अन्य प्रदेशों के लोग जम्मू- कश्मीर जाकर जमीन खरीद कर अपना मकान भी बना सकते हैं। कहा कि कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए धारा 370 को नहीं हटाया, और सिर्फ और सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करती है।

कहा कि कांग्रेस न तो देश की आंतरिक सुरक्षा कर सकती है, और न ही देशवासियों के लिए कल्याणकारी योजनाओं की शरुआत कर सकती है। लोगों को संबोधित करते हुए योगी ने पूछा कि क्या कांग्रेस धारा 370 को हटा सकती थी। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ में कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा तो दूसरी ओर, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा पर भी जमकर प्रहार किया। योगी ने दोनों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि देश में जब भी कोई संकट आता है, दोनों भाई-बहन देश छोड़कर विदेश भाग जाते हैं। कहा कि कोरोना संकट के दौराना भी दोनों भाई-बहन नदारद दिखे। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक बार अयोध्या राम मंदिर कार्ड खेला। चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा शासनकाल में ही अयोध्या राम मंदिर का निर्माण शुरू हुआ था। हिमाचल प्रदेश को देवभूमि कहकर योगी का कहना था कि यहां आकर सभी शांति की अनुभूति करता है।

22 साल में 10वीं बार सूखे का संकट झेल रहा है झारखंड

अलग राज्य बनने से अब तक झारखंड करीब दस बार सूखे की मार झेल चुका है. इन 22 वर्षों में सूखे से निपटने और जल प्रबंधन की दिशा में ना तो कोई कारगर कदम उठाया गया और ना ही सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था हो...

बेटी की हत्या

अखबार पढ़ते-पढ़ते शख्स की हो गई मौत

बाड़मेर। राजस्थान के सीमावर्ती बाड़मेर जिले में शनिवार सुबह एक व्यक्ति अखबार पढ़ते-पढ़ते जमीन पर गिर गया और उसकी मौत हो गई। बताया गया की घटना के वक्त वह दांत दिखाने के लिए अस्पताल गया था और उसी दौरान वहां पर अखबार पढ़ते-पढ़ते नीचे गिर पड़ा। हालाकि उसे तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना बाड़मेर जिले के बालोतरा इलाके की है। घटना शनिवार सुबह 10 बजे का है। मृतक की पहचान पचपदरा निवासी 61 साल के दिलीप कुमार मदाणी के रूप में की गई। दिलीप का गुजरात के सूरत में गारमेंट्स का व्यापार है। वो कई सालों से सूरत में ही रह रहे थे। 4 नवंबर को ही सूरत से अपने गांव बाड़मेर आए थे।

बेटी की हत्या

दिल्ली में 9 नवंबर से फिर खुलेंगे प्राइमरी स्कूल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में कमी आने के बाद दिल्ली सरकार ने बुधवार 9 नवंबर से सभी प्राथमिक स्कूलों को खोलने और आउटडोर एक्टिविटीज पर लगी रोक हटाने का फैसला लिया है। इसके साथ ही ट्रकों के प्रवेश पर लगी रोक भी हटा दी गई है। बीते सप्ताह प्रदूषण बढ़ने के कारण दिल्ली में प्राइमरी स्कूल बंद कर दिए गए थे और उनसे बड़ी क्लासों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए आउटडोर एक्टिविटीज को भी रोक दिया गया था। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को यह ऐलान किया। पिछले 2 दिनों से दिल्ली के अंदर प्रदूषण में तेजी के साथ सुधार देखा जा रहा है। दिल्ली में लगे ग्रैप-4 के प्रतिबंधों को वापस लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में ट्रकों के प्रवेश पर लगी रोक भी हटा दी गई है। इसके साथ ही वर्क फ्रॉम होम के दिशानिर्देशों में संशोधन करते हुए सभी ऑफिसों को पूरी क्षमता से कार्य करने को कह दिया गया है। वहीं, दिल्ली में हाईवे, सड़क, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज, पाइपलाइन, बिजली ट्रांसमिशन जैसी सार्वजनिक परियोजनाओं से संबंधित निर्माण कार्य पर लगे प्रतिबंध को भी हटा दिया गया है, लेकिन निजी निर्माण कार्यों पर लगी पाबंदी अभी जारी रहेगी। बता दें कि, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी, जिसमें वायु गुणवत्ता आयोग द्वारा लागू किए गए नए निर्देशों, प्राइमरी स्कूलों को फिर से खोलने और 50 प्रतिशत सरकारी कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम के आदेश को रद्द करने के निर्णय पर भी चर्चा होने की गई। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान मौसम के सामान्य औसत से तीन डिग्री ऊपर 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजकर 10 मिनट पर दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 352 दर्ज किया गया।

अंधेरी में दिखी उद्धव ठाकरे को रोशनी, मुश्किल वक्त में बूस्टर डोज

मुंबई। अंधेरी पूर्व सीट पर हुए उपचुनाव में शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट की उम्मीदवार रितुजा लटके ने शानदार जीत ने सियासी समीकरण बिगाड़ दिए हैं। इससे उद्धव ठाकरे मजबूत होकर उभरते दिख रहे हैं, जिन्हें एकनाथ शिंदे की बगावत के चलते कमजोर माना जा रहा था। इसके अलावा जीत का अंतर एकनाथ शिंदे गुट के लिए झटका माना जा रहा है। खासतौर पर बीएमसी चुनाव से पहले मुंबई में विस्तार के उनके सपनों को झटका लगेगा। इस उपचुनाव में रितुजा लटके को 66,530 वोट मिले थे। ये वोट 2019 में रमेश लटके को मिले वोट से ज्यादा हैं। ऐसे में अंधेरी उपचुनाव उद्धव ठाकरे की उम्मीदों को परवान चढ़ाने वाला है, जो बीएमसी चुनाव जीतने की कोशिश में हैं।

अंधेरी उपचुनाव को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति को समझने वालों का कहना है कि नतीजे ने दिखाया है कि शिवसेना में विभाजन के बाद भी पार्टी में शाखाओं का नेटवर्क बरकरार है। दिलचस्प बात यह है कि परिणाम से पता चलता है कि विधायक और बड़े नेता भले ही शिंदे

समूह में चले गए हों, लेकिन मुंबई में सामान्य शिवसैनिक अभी भी उद्धव ठाकरे का समर्थन कर रहे हैं। हालांकि कुछ एक्सपर्ट्स के मुताबिक महाविकास अघाड़ी ने यह उपचुनाव एक साथ लड़ा था, फिर भी रितुजा लटके को कांग्रेस और एनसीपी से कितने वोट मिले, इस पर अभी संशय बना हुआ है। इससे पहले दशहरे की रैली में भी शिवसेना के उद्धव और शिंदे गुटों ने शक्ति प्रदर्शन किया था। इस दौरान उद्धव ठाकरे की रैली में भी बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। तब कहा गया था कि विपक्ष में रहने और विभाजन के बाद भी जिस तरह से उद्धव की रैली में भीड़ जुटी है, उससे उनकी ताकत का अंदाजा लगा है। महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने घोषणा की थी कि वे अंधेरी उपचुनाव एक साथ लड़ेंगे। हालांकि, कांग्रेस और एनसीपी के कितने वोट लटके को ट्रांसफर किए गए, इसे लेकर संशय है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक अंधेरी उपचुनाव में रितुजा लटके को कांग्रेस और एनसीपी के वोट जरूर मिले हैं। 2019 के चुनाव में 53 फीसदी मतदान हुआ था। हालांकि उपचुनाव में सिर्फ 31.74 फीसदी वोटिंग हुई। कम मतदान प्रतिशत के बावजूद रितुला लटके को रमेश लटके से ज्यादा वोट मिले हैं। इस संभावना को मानकर भी कि भाजपा ने पर्दे के पीछे से नोटा का खेल खेला, नोटा को करीब 12 हजार वोट मिले। इससे साफ है कि भाजपा का भी एक वोटबैंक बना हुआ है। इस तरह यदि यह नतीजा किसी के लिए झटका माना जा सकता है तो वह एकनाथ शिंदे गुट है। अंतिम समय में भाजपा ने अपने उम्मीदवार मुरजी पटेल का नाम वापस ले लिया था।

शासकीय राजीव गांधी अस्पताल के कायाकल्प का हुआ मूल्यांकन सर्वेक्षण

रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। शासकीय राजीव गांधी अस्पताल के कायाकल्प का आज मूल्यांकन सर्वेक्षण हुआ, वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशानुसार यह मूल्यांकन सर्वेक्षण जिला अस्पताल रायसेन के डॉक्टर विनोद परमार एवं डॉक्टर सुश्री संजीव नागर द्वारा किया गया, जिसमें टीम ने अस्पताल प्रशासन द्वारा कायाकल्प अंतर्गत कराए गए कार्यों और व्यवस्थाओं का मूल्यांकन सर्वेक्षण किया, जिसमें महिला पुरुष के 12 लेट बाथ, विभिन्न कक्षों व वार्डों में प्रोटोकॉल अनुसार रखे गए विभिन्न रंगों के डस्टबिन, वाशबेसिन, ड्रेसिंग रूम, एक्सरे रूम, सिक्योरिटी गार्ड कक्ष, फीवर कक्ष, एएनसी कक्ष में कराए गए नवीनीकरण, कक्षों में फर्नीचर व सफाई कार्य, लाइट, पानी आदि की सुविधाओं के 700 बिंदुओं पर मूल्यांकन सर्वेक्षण किया गया, वहीं अस्पताल भवन के मुख्य द्वार और बाउंड्री वॉल की पुताई, वेदर बोर्ड रिपेयरिंग, मेन गेट एसएस ग्रिल फिटिंग कार्य, अस्पताल

परिसर की सफाई, लाइट एवं पेयजल आदि की व्यवस्थाओं के साथ हर्बल गार्डन का मूल्यांकन सर्वेक्षण किया गया, करीब 11 बजे प्रारंभ हुआ यह मूल्यांकन सर्वेक्षण कार्य दोपहर उपरांत तक चलता रहा, जिसमें बीएमओ डॉ अमित भेदिया, पूर्व बीएमओ अभिषेक उपाध्याय, डॉ अग्रवाल सहित अस्पताल अमला टीम के साथ उपस्थित रहे, वहीं बताया गया कि मूल्यांकन सर्वे में अस्पताल का चयन जिस स्तर पर होगा उसी के अनुसार शासन द्वारा अस्पताल प्रशासन को दस लाख, पांच लाख या एक लाख रुपए प्रोत्साहन राशि व्यवस्थाओं में सुधार हेतु आवंटित की जाएगी।

प्रथम तल में शिफ्ट होगा मेटरनिटी वार्ड- अस्पताल प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिव्यांग सहित सभी महिला मरीजों को समय पर इलाज की सुविधा मिल सके इसके लिए अस्पताल प्रशासन द्वारा वरिष्ठ कार्यालय को मेटरनिटी वार्ड बिल्डिंग के प्रथम तल में शिफ्ट करने का प्रस्ताव भेजा गया था जिसकी स्वीकृति सिरोंज अस्पताल प्रशासन को मिल चुकी है आगामी दिनों में मेटरनिटी वार्ड बिल्डिंग के प्रथम तल में शिफ्ट होने का कार्य प्रारंभ होने की संभावना है।

1 साल में उखड़ी सड़क, सोशल मीडिया पर उठाया मामला

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। आज चारों तरफ किसी न किसी रूप में आपको भ्रष्टाचार देखने को मिल ही जाएगा अनेकों बार भ्रष्टाचार के मामले प्रकाश में आए हैं चाहे सड़क की बात रही हो या फिर पुलिया या फिर अन्य कोई निर्माण कार्य रहा हो इस प्रकार के मामले लगातार प्रकाश में आते रहे हो इसी प्रकार का एक मामला ग्राम पंचायत सब्दलपुर के सीसी रोड का मामला है जिसे ग्राम पंचायत निवासी मोहन रघुवंशी के द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट कर भ्रष्टाचार के मामले को उजागर करते हुए लिखा है कि 1 साल में ही सीसी रोड भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है, आखिर विचार करने वाली बात यह है कि यह सड़क किस प्रकार बनाई गई थी कि महज 1 वर्ष में ही सड़क उखड़ने लगी है , वैसे भी यह सिर्फ इसी पंचायत का मामला नहीं है इसी प्रकार की लापरवाही और भ्रष्टाचार के मामले अन्य पंचायतों में भी देखने को मिलते रहे है।

इनका कहना

मैं तो नवीन कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्माण कार्य करुंगा।

हसन वेग सरपंच ग्राम पंचायत सब्दलपुर

हमारे द्वारा मौखिक रूप से अवगत करा दिया गया है अगर 7 दिनों के भीतर कोई सीसी रोड का निर्माण नहीं किया जाता तो कागजी कार्रवाई की जाएगी।

नितेश ठाकुर इंजीनियर

जिस समय सड़क बनाई जा रही थी उसी समय सड़क के निर्माण को लेकर हमारे द्वारा आवाज उठाई गई थी और हमें आश्वासन भी दिया गया था लेकिन अभी तक कुछ भी नहीं हो पाया।

मोहन रघुवंशी ग्रामवासी सब्दलपुर

राजपुरोहित मादड़ी बने भाजयुमो मंडल महामंत्री

पुष्पांजलि टुडे, पाली राजस्थान
नरेश कुमार सिरवी

पाली राजस्थान। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पुनिया पाली जिलाध्यक्ष मंशाराम परमार,सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत,भाजयुमो जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल ओझा, गुंदोज मंडल अध्यक्ष गणेश पटेल के निर्देशानुसार भाजयुमो गुंदोज मंडल अध्यक्ष कुलदीपसिंह सोनिगरा ने भाजयुमो के कर्मठ कार्यकर्ता विरेन्द्रसिंह राजपुरोहित मादड़ी को गुंदोज मंडल महामंत्री के पद नियुक्ति किया है। गोरतलब है कि मादड़ी पिछले लंबे समय से पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता है।

नशा मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत कमलाराजा महाविद्यालय में नुक्कड़ नाटक का हुआ आयोजन

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। मध्य प्रदेश शासन के द्वारा निर्देशित किए गए नशा मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत 05 नवंबर 2022 को शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय ग्वालियर में राष्ट्रीय सेवा योजना,इको क्लब और एनसीसी द्वारा नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें ÷सोचो समझो बचो नशे से, जिंदगी जियो बड़े मजे से, पिटती पत्नी बिकते जेवर छोड़ शराबी ऐसे तेवर÷ इत्यादि नारों के साथ नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई।इस अवसर पर स्वयं सेविकाओं द्वारा यह समझाने का प्रयास किया गया की नशा किस प्रकार किसी मे भी भेदभाव नहीं करता।नशा ग्रस्त जीवन को ही खराब नहीं करता अपितु विद्यार्थी और युवा जीवन को भी बर्बाद कर देता है साथ ही स्वयं सेविकाओं ने नाटक के माध्यम से यह भी बताया कि नशे से मानव शरीर में किस प्रकार कैंसर,हृदय रोग इत्यादि जैसी गंभीर बीमारियां हो जाती हैं जो मानव शरीर को धीरे-धीरे नष्ट कर देती हैं अंत में स्वयं सेविकाओं ने नशे का प्रयोग ना करने संबंधित नारों के साथ आमजन को जागरुकता संदेश देते हुए नाटक का समापन किया।कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम आर कौशल के संरक्षण में किया किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के अकादमिक सचिव डॉ. संजय स्वर्णकार, इको क्लब के प्रभारी डॉ. मोहित आर्य ,अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक चारु चित्रा, एनसीसी अधिकारी डॉ.अंतिमा सिंह एनसीसी की पूर्व अधिकारी डॉ अर्चना कुशवाह व राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वीणा शुक्ला, डॉ. कृष्णा सिंह व डॉ. संगीता सोमवंशी ने सभी स्वयं सेविकाओं का उत्साहवर्धन किया।

भारत जोड़ो यात्रा से देश-प्रदेश में भ्रष्टाचार का होगा अंतः कुशवाहा

मध्यप्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष व लहार विधायक डॉ गोविंद सिंह यात्रा के चौथे दिन आज भारत जोड़ो यात्रा में होंगे शामिल

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित भारत जोड़ो यात्रा के तीसरे दिन मेहगाँव शिव शक्ति गार्डन से राष्ट्रगान के साथ यात्रा का शुभारंभ किया गया यात्रा में छोटे छोटे नन्हे बच्चों ने हाथ में तिरंगा व संविधान की किताब लेकर यात्रा में सम्मिलित होकर आगे चलने का काम किया बरहद बहुआ गिगरखी माता का पूरा जगह जगह यात्रा का स्वागत किया गया बिरखडी गोहद पर विधायक मेवाराम जाटव ने यात्रा का स्वागत कर यात्रा में सम्मिलित होकर गोहद विश्राम स्थल तक चलने का कार्य किया उनके साथ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आशीष गुर्जर तिरंगे को सलामी देकर यात्रा का स्वागत किया इसी क्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा ने

कहा भ्रष्टाचार और नफरत को मिटाना यह यात्रा का उद्देश है और जानकारी देते हुए बताया यात्रा में आज मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह जी हरिराम की कुईया मालनपुर मे समय 2 बजे शामिल होंगे,यात्रा का समापन मालनपुर टोल प्लाजा पर ग्वालियर के पूर्व सांसद रामसेवक बाबूजी को सौप दी जाएगी। यात्रा में प्रमुख रूप से यात्रा के जिला समन्वयक रणजीत सिंह गुर्जर ,सह समन्वयक संदीप मिश्रा,पूर्व लोकसभा प्रत्याशी देवाशीष जरारिया, मनोज देपुरिया ,वीरेंद्र यादव, सोमबीर यादव, मनोज गुप्ता, राजेंद्र परिहार, संग्राम सिंह तोमर ,केशव देसाई, कुलदीप गुर्जर, शांति कुशवाहा, मालती जाटव अमित कुशवाहा इत्यादि लोग शामिल हुए।

कंप्यूटराइज्ड होंगे जिले के सभी 257 पैक्स, प्रथम चरण में 92 पैक्सो का किया गया चयन

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में किसानों के हित को ध्यान रखते हुए 5 मिट्रिक टन के सौर ऊर्जा चलित कोल्ड रूम निर्माण के लिए पैक्सो का चयन अनुश्रवण समिति के सदस्य विधायक सदर मनीष जयसवाल एवं बड़कागांव विधायक प्रतिनिधि की उपस्थिति में किया गया। इस चयन समिति की बैठक में बरही के कोल्हुवा कला पैक्स एवं बड़कागांव के गरसुल्ला पैक्स का कोल्ड रूम हेतू चयन किया गया। इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा जिला में संचालित सभी 257 पैक्सो को सशक्त बनाने के उद्देश्य से उन पैक्सो का कंप्यूटरीकरण किया जाना है जिसके प्रथम चरण में जिला से 92 पैक्सो का चयन किया गया। साथ ही उपायुक्त ने 2022-23 के लिए सभी पैक्सो को धान अधिप्राप्ति का प्रस्ताव देने को कहा उन्होने कहा की वैसे पैक्स जिनका भंडारण झमता हो,लाभांश का बटवारा,समिति निर्वाचित हो तथा वह पैक्स ऑडिटेड हो वो धान अधिप्राप्ति का प्रस्ताव भेजे।

किसानो को सशक्त बनाने के लिए 5 एमटी क्षमता वाले कोल्ड रूम का होगा निर्माण, बरही के कोल्हुवाकला एवं बड़कागांव के गरसुल्ला पैक्स का किया गया चयन

राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं ने पुरानी बावड़ी में चलाया सफाई अभियान

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत÷आने वाली पीढ़ी है प्यारी, इसलिए इतिहास को बचाना है हमारी जिम्मेदारी,इत्यादि नारों के साथ शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,ग्वालियर में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं द्वारा महाविद्यालय की पुरानी बावड़ी परिसर में स्वच्छता एवं हमारे इतिहास को संरक्षित रखने का प्रयास करते हुए कार्यक्रम किया गया।स्वयं सेविकाओं ने स्वच्छता का महत्व बताते हुए अनावश्यक पौधों को निकाला जैसे गाजर घास आदि और बावड़ी के आसपास साफ सफाई का कार्य किया।स्वयं सेविकाओं ने पुरानी बावड़ी की साफ सफाई करते हुए यह संदेश दिया कि हमें हमारे ऐतिहासिक धरोहर को सदैव संरक्षित करके रखना चाहिए साथ ही यह भी बताया कि हम जल संरक्षण के संसाधनों को भी साफ रखें।क्योंकि प्राचीन धरोहर हमारे उन्नत शील इतिहास को जीवित रखती हैं और हमारे गौरव को उल्लेखित करतीं हैं।संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.एम आर कौशल के संरक्षण में किया गया।इस अवसर पर महाविद्यालय के अकादमिक सचिव डॉ.संजय स्वर्णकार,इको क्लब के प्रभारी डॉ.मोहित आर्य,अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापक डॉ.चारु चित्रा और राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ.वीणा शुक्ला,डॉ.कृष्णा सिंह और डॉ.संगीता सोमवंशी ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में दिमनी में बृहद विधिक साक्षरता एवं जागुरूकता शिविर

केशव पंडित जी अम्बाह

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं अध्यक्ष /प्रधान जिला न्यायाधीश श्री राजाराम भारतीय

व सचिव/जिला न्यायाधीश श्री श्रीष कैलाश शुक्ल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना के मार्गदर्शन में दिनांक 31/10/2022 से 13/11/2022 तक विधिक साक्षरता / जागरूकता शिविर के अंतर्गत ÷हक हमारा भी तो है÷ एवं ÷न्याय आपके द्वार÷ अभियान का आयोजन किया जा रहा है। उक्त अभियान के अंतर्गत सालसा के निर्देशानुसार आज दिनांक 06/11/2022 को मेगा/मेला शिविर का आयोजन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तहसील न्यायालय अम्बाह द्वारा शासकीय माध्यमिक विद्यालय दिमनी में किया गया। उक्त कार्यक्रम में तहसील न्यायालय अम्बाह में पदस्थ पंकज कुमार जैन जिला एवं सत्र न्यायाधीश अम्बाह, एस. डी. एम. अम्बाह राजेश समाधिया, एस. डी. ओ. पी. अम्बाह एवं दिमनी, तहसीलदार राजकुमार नागौरिया, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ अम्बाह शिवप्रताप शर्मा, अधिवक्ता शक्ति सिंह तोमर आदि एवं अन्य विभाग के अधिकारीगण/कर्मचारीगण, तहसील विधिक सेवा समिति सिविल न्यायालय हेतु कार्यरत पैरालीगल वालेंटियर्स संतोषी तोमर शशिकांता तोमर, भारती राठौर व अंजू तोमर, आंगनवाड़ी सुपरवाइजर व कार्यकर्ता , ग्राम पंचायत दिमनी सरपंच, सचिव सहित ग्रामीणजन द्वारा उक्त कार्यक्रम में सहभागिता दी गयी ।

उक्त जागरूकता मेला कार्यक्रम-में तहसील न्यायालय अम्बाह में पदस्थ न्यायाधीश श्री सुरेंद्र कुमार द्वारा विशेष तौर पर निःशुल्क कानूनी विधिक सहायता, घरेलु हिंसा, मध्यस्थता के माध्यम सें प्रकरणों का निराकरण कराने आदि के संबंध में जानकारी प्रदाय की गयी। साथ ही एस.डी.एम. अम्बाह द्वारा भी विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदाय की गयी एवं प्रशासन के विभिन्न विभागो ने भी अपने-अपने विभागो की योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु अपने-अपने स्टॉल आयोजित की एवं अपने अपने विभागों की योजनाओं के संबंध में ग्रामवासियो को अवगत कराया गया। उक्त कार्यक्रम में ग्राम पंचायत दिमनी के ग्रामवासियो ने इस कार्यक्रम में काड़ी संख्या में भागीदारी की एवं उक्त कार्यक्रम में विभागों की योजनाओं का लाभ प्राप्त किया।

टुमकुर में लक्षदीपोत्सव व गौपूजा का समापन

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू। ञ्तुमकुर जिले के चिक्क तोटुकेरे श्री अतवी जंगमा क्षेत्र में कल एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां 108 गो मंटप में 1108 दंपतियो ने गोपूजा की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विजयनगर मारुति मेडिकल्स के गोसेवक महेंद्र मुनोट उपस्थित थे।गोपूजा के साथ कृषि मेला, धर्म गोष्ठि कार्यक्रम, महिला गोष्ठि कार्यक्रम, लक्ष्य दीपोत्सव, चावल पूजा और रोटी जात्रा का भी आयोजन किया गया।मंच पर गोसेवाक महेंद्र मुणोत ने 1108 दंपतियों को अभिनंदन मेमेंटो देकर गौ भक्तों का आभार जताया. समापन समारोह में मठ के स्वामीजी ने महेन्द्र का सन्मान किया।

घोली में तैयार अमृत सरोवर का हुआ लोकार्पण

रहीस खान

घाटीगांव मोहना। रेंहट पंचायत के घेघोंली ग्राम में रविवार को सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, जिलाधीस कोशलेन्द्र विक्रस सिंह ने अमृत सरोवर का फीता काटकर लोकार्पण किया। सरोवर के किनारे पौधरोपण करते हुये उन्होने ग्रामीणों को तालाब की सफाई रखने के अलावा पर्यावरण संरक्षा को भी प्रेरित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री षिवराज सिंह चौहान के आह्वान पर चलाई जा रही बहुआयामी योजनाओं के तहत रविवार को एक कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत रेंहट के घेघोंली गांव में भी किया गया। यहां पर तैयार किए गए एक सुंदर अमृत सरोवर का लोकार्पण मुख्य अतिथि के रूप में आए क्षेत्रीय सांसद विवेक नारायण शेजवलकर एवं जिला कलेक्टर कोशलेन्द्र विक्रम सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा सरोवर के आसपास विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण भी किया। कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस सरोवर गांव व आसपास के सभी गांवों के लिए आदर्श बन सकता है बशर्ते इस तालाब की सफाई सफाई व रखरखाव का सभी ध्या रखें। तालाब व इसके चारों गंदगी न डालेंए लगाए गए पौधों का सभी ख्याल रखें। तालाबों को जीवित रखने के लिए लोगों का जागरूक होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाए और उनका संरक्षण भी करें। इस अमृत सरोवर के चारों ओर बैठने के लिए भी सीटें लगाई गई हैं ताकि लोग तालाब किनारे बैठकर अच्छा महसूस कर सकें। इस मौके पर समस्त क्षेत्रीय अधिकारी एवं कर्मचारी व नेतागढ एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

सुमेरपुर विधानसभा से नए चेहरे के रूप में ठोकी ताल

आजादी के 75 वर्ष बाद भी अनेक राजनीतिक दलों के नेताओं ने आम लोगों को जातियां समीकरण से जातियों में बांटकर उनका शोषण करते रहेः राजेंद्र सिंह राजपुरोहित

पुष्पांजलि टुडे। पाली राजस्थान
नरेश कुमार सिरवी

पाली, सुमेरपुर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी नवनिर्वाचित जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजपुरोहित ने आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहां जब से देश आजाद हुआ है आजादी के 75 वर्ष बाद भी नेताओं ने आम लोगों को जातियों में बांटने का ही विकास किया है। इसी समीकरण के जरिए बार-बार चुनावों के समय शोषण करके उनको हक देने की बजाय उनको बनते अधिकारों से वंचित करते रहे है। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा के नेताओं पर आरोप लगाते हुए कहा लम्बे समय तक कांग्रेस के कद्दावर नेताओं ने मंत्री के आलावा अनेक विभिन्न पदों पर विराजमान होते रहे। भाजपा ने भी इस सीट पर कई बार विजय का परचम लहराते रहे पर विकास के लिए सिर्फ कागजों में ही बड़े-बड़े भाषणों के जरिए विकास के ढिंढोरा पीटते रहे और आज भी दोनों राजनीतिक दलों के नेताओं के नेतृत्व में सरकारें समय लम्बे समय तक बढ़ता भ्रष्टाचार और महंगाई से आम किसान मजदूर की हालत बहुत ही दर्दनाक बनी हुई है। फिर भी दोनों राजनीतिक दल अभी तक सिर्फ ग्रामीण लोगों से भारी मत हासिल कर जीतने के बाद विकास की गंगा बहाने के दावे सिर्फ कोरे कागजों की तरह बनकर रह गए हैं। आज भी सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के पश्चिमी राजस्थान विश्व प्रख्यात जवाई बांध का पानी सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के आसपास तलहटी में बसे हुए हजारों लोगों को पेयजल से वंचित करके बाहरी क्षेत्रों में पेयजल पहुंचाने का सिलसिला लम्बे समय से चलता रहा है। आज जवाई बांध के आसपास सैकड़ों गांव में पानी से आज भी ग्रामीण लोक वंचित चले आ रहे हैं। और खारा फ्लोरेडयुक्त पेयजल पीकर अनेक बीमारियों का भी शिकार होते जा रहे हैं।उन्होंने कहा राजस्थान की सरकार होते हुए भी एवं केंद्र में भाजपा के नरेंद्र मोदी की सरकार होने के बावजूद भी अनेक गाड़ियां जवाई बांध स्टेशन व अन्य स्टेशनों पर उनका ठहराव नहीं होने के कारण लम्बे समय से प्रवासियों की मांग केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्वनी वैष्ण देसूरी क्षेत्र के होने के बावजूद भी अभी तक प्रवासियों कि इस समस्या पर भी किसी भाजपा सांसद और राज्यसभा सांसद ने भी क्षेत्र के लिए कोई ज्यादा

विशेष रेलवे के विकास के लिए ध्यान नहीं दिया है। आज भी हजारों प्रवासी इस समस्याओं से जूझ रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के युवा नेता के रूप में कई वर्षों तक कार्य निभाते रहे अब उन्होंने एनसीपी को छोड़कर हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी मैं शामिल होकर नवनिर्वाचित जिला उपाध्यक्ष बनने के पहली बार पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहे। सुमेरपुर सीट पर ताल ठोकते हुए युवा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजपुरोहित ने कहा मजदूरों किसानों व्यापारियों के अधिकारों के लिए एक लक्ष्य के रूप में राष्ट्रीय लोकतंत्रिक पार्टी प्रमुख हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में भ्रष्टाचार और इस क्षेत्र की सुमेरपुर क्षेत्र के समस्याएं और युवाओं के लिए आगामी विधानसभा चुनावों में अगर पार्टी सत्ता पर अपनी विशेष भूमिका निभाने के लिए बड़ी संख्या में सीटों पर विजय पताका लहराती है। तो युवाओं को उनके क्षेत्र में उद्योग लगाकर और अनेक योजनाओं के जरिए उनको रोजगार उनके अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा जिससे युवाओं को उद्योग के साथ-साथ कृषि विज्ञान में मैं भी बढ़ावा देने का अमूल्य समय मिलेगा। उन्होंने अपनी दावेदारी पर चर्चा करते हुए पत्रकार के सवाल के जवाब को देते हुए कहा लम्बे समय से सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र वासियों की नए चेहरे की नया विकल्प के रूप में जनता क्षेत्र के लोग समाज के बीस हजार से ज्यादा मत समाज बंधुओं के होने के बावजूद इस बार परिवर्तन के लिए आवाज उठाकर आमजन को न्याय दिलाकर आगामी विधानसभा चुनावों में युवा नया इतिहास बनाने के लिए राष्ट्रीय लोकतंत्रिक पार्टी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाकर राजस्थान की सत्ता पर एक नया परिवर्तन नया इतिहास बनाने के लिए आगे आएंगे। उन्होंने कहा आगामी विधानसभा चुनाव के मजबूत प्रबल दावेदारी को लेकर उनके विरोधियों मैं उनकी बढ़ती लोकप्रिय के कारण उनके होश उड़े हुए हैं। उन्होंने कहा अब तीसरा मोर्चा बनकर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तीसरी शक्ति बनकर उभरेगी भाजपा कांग्रेस के भ्रष्टाचारी कुशासन को जड़ से मिटाकर किसानों के सच्चे हितैषी प्रदेश की बागडोर युवाओं के हाथ में देकर आगामी विधानसभा चुनावों में नया इतिहास रचाएंगे ।

बालाघाट में हाकफोर्स के जवानों ने नक्सलियों के मंसूबे किये निस्ते नाबुत

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

लांजी। थाना क्षेत्र अन्तर्गत विभिन्न अतिनक्सल प्रभावित ग्रामों में नक्सली गतिविधियाँ लगातार बढती जा रही है, क्षेत्र में नक्सली मुवमेंट की खबरे भी तेज हो रही है, वंही बालाघाट पुलिस एवं हॉकफोर्स के द्वारा हमेशा से नक्सलियो के मंसुबे निस्ते नाबुत करते आये है। पूर्व मे हुये नक्सली एन्काउंटर हो या नक्सलियो के द्वारा छुपाये हुये डंप जिसे हॉकफोर्स एवं जिला पुलिस बल की टीम के द्वारा ढूढ कर नक्सलियो के ईरादो को नष्ट किये गये है। जिसकी खीज़ भी नक्सलियो मे दिखाई देते है और समय समय पर नक्सली भी वारदात करते दिखाई देते है। इन्ही वारदातों को अंजाम देने के लिये पुलिस एवं हॉकफोर्स को नुकसान पंहुचाने के लिये नक्सली विभिन्न ग्रामो के अन्तर्गत जंगल क्षेत्र में विस्फोटक सामग्री एवं अन्य उपयोगी साहित्य डंप करके रखते है ताकि समय आने पर इनका उपयोग किया जा सके लेकिन पुलिस और उनका तंत्र इतना सक्रिय है कि नक्सलियो के इरादे कभी कामयाब नही हो पा रहे है। इसी कडी में बालाघाट हॉक फोर्स को एक बडी सफलता हाथ लगी है जिसमे उन्होने विस्फोटक सामग्री और नक्सली साहित्य बरामद किये है। बालाघाट पुलिस के द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की सीमावर्ती क्षेत्र में थाना लांजी अन्तर्गत प्रतिबंधित संगठन भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी माओवादी के दर्रेकसा दलम व मलाजखण्ड दलम के नक्सली सदस्य अवैध शस्त्र एवं गोलाबारूद के दम पर शासन एवं कानून के विरूद्ध लगातार अपनी गतिविधियॉ संचालित करते हुये पुलिस बल की हत्या करने के आशय से क्षेत्र में लगातार सक्रिय है उक्त गतिविधियों के विरूद्ध बालाघाट पुलिस द्वारा संचालित नक्सल विरोधी अभियान के तहत 7 नवंबर के सुबह लगभग 6ः30 बजे मलकुआ जंगल क्षेत्र में सर्चिंग कर रही हॉकफोर्स की टीम को एक संदेहास्पद जगह दिखाई देने पर हॉकफोर्सकी टीम द्वारा सुरक्षा का ध्यान रखते हुये सुरक्षित ढंग से जमीन के अंदर एक नीले रंग के ड्रम को बाहर निकाला जिसमें नक्सलियों द्वारा पुलिस पार्टी को नुकसान पंहुचाने व हमला कर हत्या करने की नियत से विस्फोटक सामाग्री, विस्फोट करने हेतु प्रयुक्त उपकरण, नक्सल साहित्य, दैनिक उपयोग की सामग्री जमीन में गड्ढा खोदकर संदिग्ध रूप से रखा गया था । उक्त सामाग्रियो को हाकफोर्स टीम द्वारा बरामद कर अग्रिम कार्यवाही हेतु थाना लांजी प्रस्तुत किया गया। उक्त घटना में संबध में मलाजखण्ड दलम व दर्रेकसा दलम के सक्रिय सदस्यों विरूद्ध थाना लांजी में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम एवं विधि विरूद्ध क्रियाकल्प निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

विस्फोटक सामग्री और नक्सली साहित्य किए बरामद

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर महिला बाल विकास विभाग ने परियोजना स्तरीय कार्यक्रम का किया आयोजन

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा व्यंजन एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन जनपद पंचायत लांजी के सभाकक्ष में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर लगभग 2 बजे सभापति रेवाजी करहाटकर जनपद सदस्य की गरिमामई उपस्थिति तथा महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी श्रीमती पदमावती परते की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण के साथ प्रारंभ किया गया। इस संबंध में पदमावती परते ने बताया कि कार्यक्रम के आयोजन में प्रतिभागियों के द्वारा आकर्षक रंगोली एवं स्वादिष्ट व्यंजन बनाए गए, जिसका अतिथियों के द्वारा स्वाद लिया गया। दोनों प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। व्यंजन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सरिता श्रीवास्तव को अंकुरित अनाज के लिए, द्वितीय पुरस्कार कलावती, प्रभा रावते एवं आशा खोबरागड़े को टीएचआर से बने इडली के लिए, एवं तृतीय पुरस्कार मनिषा सोनवाने को स्वादिष्ट थाली के लिए पुरस्कृत किया गया। वहीं रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान चिचटोला दुल्हापुर की बालिका जगमा सिल्हारे, द्वितीय स्थान लांजी की नेहा रामटेक्कर एवं तृतीय स्थान बिसोनी की साक्षी वासनिक ने हासिल किया। बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। समापन के दौरान स्पांसर सीप अंतर्गत बाल आशिर्वाद के 15 बच्चों को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया साथ ही उन्हें 4 हजार रुपए प्रतिमाह प्राप्त होगा। लाड़ली लक्ष्मी के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कक्षा दसवीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 95 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली बालिका ईशिका को पुरस्कृत किया गया।

ये रहे उपस्थित–विकासखण्ड अंतर्गत आने वाली सभी आंगनबाड़ी केंद्र में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। उक्त कार्यक्रम में सभापति रेवाजी करहाटकर जनपद सदस्य, महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी श्रीमती पदमावती परते, दिनेश लाड़े जनपद सदस्य , रेखा विकेश मडामे जनपद सदस्य, कविता मात्रे जनपद सदस्य, भुनेश्वरी कबिरे जनपद सदस्य, आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता, परियोजना स्तरीय कार्यक्रम के सभी पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

सी.एम. राइज विद्यालय बोलेगांव में उत्साहपूर्वक मनाया मध्य प्रदेश स्थापना दिवस समारोह

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट। 1 नवंबर से 7 नवंबर तक मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह का समापन समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। शासन के आदेशानुसार 1 नवंबर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में संस्था के प्राचार्य , उप प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं व स्थानीय गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। रैली में मध्य प्रदेश के गौरव तथा समृद्ध इतिहास को प्रदर्शित किया गया। 2 नवंबर को विद्यालय में नशा मुक्ति से संबंधित जागरूकता रैली, चित्रकला, वाद विवाद ,निबंध लेखन तथा नारा लेखन की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साथ ही नशा मुक्ति से संबंधित व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। 3 नवंबर को स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कक्षा-कक्ष तथा विद्यालय की साफ-सफाई ,सजावट, आसपास की सफाई के साथ-साथ विद्यालय स्तर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रंगोली के माध्यम से छात्र-छात्राओं द्वारा स्वच्छता व नशा मुक्ति जैसे विषयों पर अपने भाव प्रकट किए गए। 4 नवंबर को स्वरोजगार रोजगार एवं उच्च शिक्षा से संबंधित केरियर काउंसलिंग का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संस्था के उप प्राचार्य तथा शिक्षकों द्वारा छात्रों को रोजगार एवं उच्च शिक्षा से संबंधित मार्गदर्शन दिया गया। 5 नवंबर को जिले के गौरव से संबंधित नाटक लोक नृत्य तथा स्थानीय जननायक केंद्रित प्रतियोगिताएं आयोजित हुई जिसमें छात्र-छात्राओं द्वारा चंद्रशेखर आजाद के जीवन पर आधारित नाटक का मंचन एवं छत्तीसगढ़ी, अहिरी और गोंडी नृत्य प्रस्तुत किए गए। उक्त कार्यक्रमों में मध्य प्रदेश की लोक संस्कृति का प्रदर्शन किया गया। 6 नवंबर को मध्य प्रदेश स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत वन्य प्राणी सुरक्षा, पर्यावरण , जल ,ऊर्जा संरक्षण जागरूकता, चित्रकला तथा व्याख्यान का आयोजन किया गया। 7 नवंबर 2022 को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत सांस्कृतिक गतिविधियों तथा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के समस्त कर्मचारियों शिक्षक गणों छात्र-छात्राओं के साथ-साथ स्थानीय गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। संस्था के प्राचार्य बी आर गुरदे के द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र छात्राओं को मेडल पहनाकर पुरस्कृत किया गया। संस्था के शिक्षकों ने आवंटित गतिविधियों के प्रभारी के रूप में अपनी अपनी भूमिकाओं का निर्वहन किया , जिनमें उप प्राचार्य प्रवीण चंद्र साहू, एल सी घोरमारे, एफ एल रिनायत, सरोज पटले, मनोज लाडे, मुकेश पांचे, संजय मेश्राम, युवराज कुशले ,गोपाल कृष्ण तुरकर, कैलाश वैरागडे, रवि प्रकाश शहारे, साधना भगत, रीता वाकड़े, रत्नाकर गणवीर तथा समस्त कर्मचारियों की भूमिका सराहनीय रही।

जल संरक्षण के लिए किसानों को जागरूक किया जाए : संध्या राय

जल संरक्षण किसानों को लाभ प्राप्त होगा, और ऊर्जा उत्पादन में जल की विशेष महत्व थाः विजय दैपुरिया, मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष में चल रहे कार्यक्रम के तहत जल संरक्षण जल संवर्धन जी बोलो जी वन्य जीव संरक्षण ऊर्जा संरक्षण के संबंध में सेमिनार संपन्न जागरूकता सेमिनार संपन्न

दैनिक पुष्पांजली टुडे
बृजपाल सिंह गुर्जर

भिण्ड। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद संध्या राय ने जिला पंचायत सभागार में आयोजित मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के तत्वाधान में चलाए जा रहे जल संरक्षण जल संवर्धन वन्य जीव संरक्षण ऊर्जा संरक्षण के संबंध में जाग्रता सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के लिए जल संरक्षण जैविक एवं प्राकृतिक खेती के लिए हम सब को जागृत किया है क्योंकि जल हमारे लिए अति महत्वपूर्ण है, जब इसका हम संरक्षण करेंगे तो जिससे किसानों को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सांसद संध्या राय ने कहा कि जल संरक्षण क्या हैड़, इसका उपयोग क्या हैड़ इसे किस किस प्रकार की किया जा सकता है यानी कि जल संरक्षण को किस किस प्रकार से कर सकते हैं हमें बताना है तो आइए हम लोग इस प्रश्न का उत्तर देते हैं तो सबसे पहले हम लोग यहां पर समझते हैं कि जल संरक्षण आखिर होता क्या है । जल हमारे लिए जीवन है यह हमें विदित है, जल के बिना हम नहीं रह सकते, हमें पीने नहाने धोने कपड़े साफ करने, घर साफ करने के लिए यहां तक कि पौधे उगाने के लिए, सब्जी पकाने, खाना बनाने के लिए सभी के लिए जल की आवश्यकता होती है तो जल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग है, इसका संरक्षण भी आवश्यक है क्योंकि आज के युग में जल का स्तर बहुत ही कम हो गया, बारिश कम हो रही है । यह सब मानवीय क्रियाकलाप के वजह से कम हुआ है, अतः हमें अपनी आने वाली पीढ़ी के विकास एवं जीवन के लिए जल को संरक्षित रखना पड़ेगा ।

जल संरक्षण व संवर्धन एक पद्धति है जिसमें हम लोग स्वच्छ जल को इकट्ठा करते हैं एवं अपनी आवश्यकता के अनुसार जल के अभाव में हम लोग इसका उपयोग करते हैं। जल संरक्षण के बहुत सारे उपाय हैं जैसे हम लोग तालाब या फिर छोटे कुंड में जल को इकट्ठा कर सकते हैं और छोटे बांध बनाकर नदियों के जल को रोक सकते हैं जिसमें जल को इकट्ठा कर सकते हैं । आजकल तो वाटर हार्वेस्टिंग एक नई तकनीक है जिसमें अपने घर में ही इस तरह से गड्ढा करके उसमें छत से वर्षा का जल इकट्ठा कर सकते हैं । इससे जो प्राप्त जल है उसको आप साल भर अपने प्रयोग में ले सकते हैं । उस जल को स्वच्छ रखने के लिए क्लोरीन डाला जाता है और बीच-बीच में इसकी सफाई की जाती है ताकि पानी स्वच्छ बना रहे और छोटे बांध बनाने से हमें सिंचाई में सुविधा होगी और हमारे दैनिक क्रियाकलाप के लिए जल की आवश्यकता पूरी हो जाएगी । हम लोग वनों की रक्षा करें तथा इसकी कटाई पर हमें रोक लगाने की आवश्यकता है क्योंकि पेड़ पौधों की जड़ों द्वारा वर्षा का जल पृथ्वी के अंदर जाता है और जल स्तर को बढ़ने में मदद करता है इसीलिए हमें वनों की रक्षा करनी चाहिए ताकि रखरखाव अच्छे से करना चाहिए । एवं नए पौधे लगाने चाहिए तथा जिससे भूमिगत जल का स्तर बढ़ेगा, हमें वाटर हार्वेस्टिंग अपनाना चाहिए, हम जल इकट्ठा करने के लिए जो टंकी बनाएं उसको रेत, छोटे-छोटे टुकड़े ग्रेवल से भर देंगे जिसकी वजह से इसमें जो इकट्ठा पानी है वह सीधे ही भूमिगत जल यानी कि पृथ्वी के जल स्रोत में चला जाएगा जिससे भूमिगत जल का स्तर बढ़ेगा तो इस तरह से भी हम लोग वाटर हार्वेस्टिंग कर सकते हैं । इसे ही विभिन्न तरीकों से हम जल संरक्षण कर सकते हैं। हमें अपने घरों के सभी नल, टूंटी देखते रहना चाहिए कि कहीं किसी से पानी न टपक रहा हो और यदि वो खराब हो जाए तो तुरंत उसे सही करवाना चाहिए । पृथ्वी पर सभी जगह जलस्तर समान नहीं है, पहाड़ पठार और मैदान सभी जगह जल का स्तर अलग अलग है इसलिए जल के उपस्थिति के अनुसार फसल उगाने चाहिए । ताकि पानी जो कम से कम खर्च हो हम लोग पानी की रक्षा कर सकें जल चक्र को बनाए रखने के लिए वनस्पतियों की वृद्धि पर विशेष ध्यान देना होगा क्योंकि अगर पेड़ पौधे नहीं होंगे तो वर्षा ही नहीं होगी क्योंकि सूर्य की गर्मी से जो पानी रहता है वह वाष्पन बन के ऊपर जाता है पहाड़ और पेड़-पौधों से जब व्यवस्था हो जाता है तो बादल के रूप में आकर्षित होते और वापस पुनः पृथ्वी पर आ जाते हैं । उन्होंने बताया कि जो पृथ्वी का जल है वह पूरा एक चक्र पूरा करने के बाद वापस पृथ्वी पर आ जाता है तो इसको भी बनाए रखने के लिए हमें अच्छे से फसल उगाना चाहिए साथ ही साथ वनों की रक्षा करनी है चाहिए, आसपास के पेड़ पौधों की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विभाग की अधिकारी गांव-गांव की चौपाल में जाकर किसानों को जल संरक्षण के लिए जागरूक करें इसके उद्देश्य सिद्धांत और उपाय उन्हें बताकर उन्हें समझाइश दें जिससे इस सेमिनार का सारांश उन तक पहुंच सके। सेमिनार में विशेष अतिथि भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय दैपुरिया ने कहा कि जल संरक्षण किसानों के लिए अन्य फायदेमंद और लाभदायक है जिससे जल इकट्ठा होगा तो किसानों को सिंचाई के लिए पानी भी मिलेगा और बिजली के उत्पादन के लिए भी ऊर्जा मिलेगी हम उतना ही जीत जल का उपयोग करें जितनी हमें आवश्यकता है जिसके लिए केंद्र और राज्य सरकार ने विशेष अभियान चलाया है विभागीय अधिकारी गांव गांव में किसानों के बीच सेमिनार आयोजित कर उन्हें इसके उपाय बताएं ताकि किसान जिसके लिए जागरूक हो सके। जिला पंचायत सभागार में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष में चल रहे कार्यक्रमों के तारतम्य में जल संरक्षण जल संवर्धन वन्य जीव संरक्षण अक्षय ऊर्जा संरक्षण के संबंध में जागरूकता सेमिनार उपाध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी सेमिनार में पीएचई विभाग के एजुकेटिव इंजीनियर आरके सिंह इरीगेशन के इंजीनियर जादौन अक्षय ऊर्जा विभाग के अधिकारी, वन विभाग के अधिकारी सिकरवार जी एवं अन्य विभाग के सभी अधिकारी गण उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

हवा की चिंता

प्रदूषण रोकने के लिए दिल्ली में उठाए जा रहे कदमों की जितनी तारीफ की जाए, कम है। यह सवाल बहुत सहजता से उठाया जा सकता है कि इन कदमों से क्या होगा, लेकिन वास्तव में छोटे-छोटे कदमों के सहारे ही हम प्रदूषण को कम करने में कामयाब होंगे और इसके लिए देश की सभी सरकारों को अपने-अपने क्षेत्र के अनुरूप कदम उठाने चाहिए। औसत रूप से देखें, तो भारत में प्रदूषण खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। तमिलनाडु जैसे कुछ राज्य हैं, जहां स्थिति ठीक है और तमिलनाडु में एक्यूआई महज 51 है, जबकि दिल्ली में एक्यूआई लगातार 400 अंकों के पार चल रहा है। दिल्ली की सरकार के लिए यह सबसे जरूरी था कि वह कदम उठाए, तो अब छोटे बच्चों के लिए स्कूल बंद कर दिए गए हैं, कई स्कूल ऑनलाइन चलने लगे हैं। नोएडा में भी छोटे बच्चों के स्कूल ऑनलाइन ही चल रहे हैं। दिल्ली सरकार ने अपने आधे कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कह दिया है, ताकि राजधानी की सड़कों पर गाड़ियां कुछ कम हो सकें। प्रदूषण फैलाने वाले डीजल वाहनों को भी दिल्ली से बाहर रोकने की कोशिश है, यह काम आसान नहीं है, लेकिन कहीं से तो शुरुआत करनी पड़ेगी। निर्माण कार्यों को पूरी तरह से प्रतिबंधित करने पर भी विचार चल रहा है। हवा जब जहर हो गई है, तब कड़े कदम तो उठाने ही पड़ेंगे। इसमें तो अब कोई दोराय नहीं है कि बेतरतीब विकास की वजह से ही खासकर उत्तर भारत में प्रदूषण दमघोंटू हो चला है। दुनिया के प्रदूषित शहरों में उत्तर भारत के शहरों की मौजूदगी दुखद है। ताजा प्रदूषण की बात करें, तो दिल्ली दुनिया का तीसरा सबसे प्रदूषित शहर है। दुनिया के दस सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में सात भारत के हैं और दुनिया के सबसे प्रदूषित 50 शहरों में भारत के 28 शहर शुमार हैं। प्रदूषण में पंजाब में जल रही पराली का योगदान तो है ही, हरियाणा के शहर भी खूब प्रदूषण फैला रहे हैं। सोनीपत, रोहतक का भी हाल बुरा है। ये छोटे शहर प्रदूषण के मामले में दिल्ली को भी टक्कर दे रहे हैं। प्रदूषित राज्यों को जहां एक ओर लोगों के स्वास्थ्य को बचाने के लिए कदम उठाने पड़ेंगे, वहीं प्रदूषण को फैलने या बनने से रोकने के लिए भी कड़े कदम उठाने पड़ेंगे। दिल्ली और आसपास का क्षेत्र अगर ज्यादा समय गंभीर स्थिति में रहा, तो यहां लोगों के स्वास्थ्य पर स्थायी रूप से असर पड़ने लगेगा। बहरहाल, दिल्ली ने तो कुछ कदम उठाए लिए, थोड़े कदम उत्तर प्रदेश ने भी उठा लिए, लेकिन बाकी राज्यों का क्या हाल हैड़ यह चिंता बहुत बड़ी है। हवा न तो हरिद्वार में साफ बची है और न मसूरी में। मतलब, मैदानी इलाकों ने पहाड़ों को भी तबाह करने का काम शुरू कर दिया है। अत~ यह पूरे देश में बड़ते प्रदूषण के बारे में सोचने का समय है। न पटना में हवा पैमाने पर खरी है और न रांची में। आखिर ऐसा क्यों हो रहा हैड़ समग्रता में विचार का समय आ गया है। समस्या यह है कि जनवरी के आते ही प्रदूषण थोड़ा कम होगा और लोग इस समस्या को भूल जाएंगे। पिछले दशक से यही तो होता आया है। बड़े शहरों के बारे में हम सोच भी रहे हैं, लेकिन छोटे शहरों को प्रदूषण के द्वीप बनने दे रहे हैं। आखिर गाजियाबाद, मुजफ्फरपुर या बेगूसराय में प्रदूषण के बारे में कौन कितना सोच रहा हैड़ हमेशा की तरह फौरी उपाय तो अब अपर्याप्त हैं, उन्हें जरूर उठाया जाए, लेकिन हमें अब स्थायी उपायों पर काम करना होगा। स्थायी उपाय ही बिगड़ते पर्यावरण को मानव स्वास्थ्य के अनुकूल बना पाएंगे।

नई सरसों के खिलने की बुनियादी शर्त

निस्संदेह, कपास किसानों से जुड़ी बर्बादी की घटनाएं कम हुई हैं, लेकिन क्या उनकी हालत भी बेहतर हुई है कपास किसानों की माली हालत की तुलना अगर हम गेहूं या अन्य फसलें उपजाने वाले किसानों से करें, तो उनमें कोई बड़ा अंतर नहीं दिखता। जीएम सरसों को हरी झंडी दिखाने के फैसले को कुछ विशेषज्ञों ने दूसरी हरित ांति की शुरुआत कहा है। एक अर्थ में यह बात सही भी साबित हो सकती है। पहली हरित ांति तब हुई थी, जब देश भीषण खाद्य संकट से गुजर रहा था। आज भी कुछ लोग उस हरित शांति की ढेर सारी खामियां गिनाते हैं, लेकिन उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बना दिया। इस दूसरी हरित ांति की बात उस समय हो रही है, जब देश खाद्य तेलों के मामले में आत्मनिर्भरता से लगातार दूर जा रहा है। देश की खाद्य तेलों की 60 फीसदी जरूरत आज भी आयात से पूरी होती है। आयात पर इस निर्भरता को खत्म करना है, तो तिलहन की उपज तेजी से बड़ानी होगी, जीएम सरसों में जो वादा या दावा किया जा रहा है, उससे भी कहीं ज्यादा तेजी से। मुमकिन है कि कुछ लगातार प्रयासों से यह लक्ष्य भी हासिल हो जाए। मगर क्या इससे किसानों की समस्याएं भी खत्म हो जाएंगीड़ क्या सरसों की अधिक पैदावार किसानों की अधिक आमदनी की गारंटी बन सकेगीड़ यह बात याद रखनी भी जरूरी है कि जिसे हम पहली हरित ांति कहते हैं, उसने देश के खाद्य संकट का समाधान तो किया ही था, किसानों की बहुत सारी समस्याओं को भी हल किया था। पहली हरित शांति के पीछे भी विज्ञान था, गेहूं की एक उन्नत किस्म थी, जिसे मैक्सिको के वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग ने काफी प्रयासों से विकसित किया था। बौने पौधे वाली गेहूं की इस किस्म में अधिक उपज की गारंटी तो थी ही, साथ-साथ यह फसल को कई तरह के रोगों और कीटों से भी बचाती थी।

हथेली पर सरसों उगाना एक मुहावरा है, लेकिन केंद्र सरकार ने किसानों की हथेली पर जेनेटिकली मॉडिफाइड, यानी जीएम सरसों के जो बीज पिछले दिनों रखे, वे भारतीय कृषि के नजारे को काफी हद तक बदल सकते हैं। यह सब रातोंरात नहीं होगा, अभी तो केंद्र सरकार ने सिर्फ इसकी इजाजत ही दी है। अब हमारे पास है सरसों की एक ऐसी किस्म, जिसे 28 फीसदी तक अधिक उपज के दावे के साथ पेश किया गया है। हालांकि, खेतों में बड़े पैमाने पर इस सरसों की बुवाई का मौका दो साल बाद ही आएगा। मगर एक उम्मीद बनी है, जो हो सकता है कि दूर तक भी चली जाए। ज्यादा बड़ा सवाल यह है कि देश की किसानी इस समय जिन संकटों से जूझ रही है, क्या उसमें इस तरह की फसलें कुछ मदद कर सकेंगी। बीटी कपास एकमात्र ऐसी जीएम फसल है, जिसकी लंबे समय से देश में बुवाई हो रही है। इसकी बदौलत देश कपास के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक बन गया है। फिर, तरह-तरह के कीटों के प्रकोप से कपास की फसल जिस तरह से पहले पूरी तरह बर्बाद हो जाया करती थी, वैसी घटनाएं इतनी कम हो गई हैं कि अब उनकी चर्चा भी नहीं होती। निस्संदेह, कपास किसानों से जुड़ी बर्बादी की घटनाएं कम हुई हैं, लेकिन क्या उनकी हालत भी बेहतर हुई हैड़ कपास किसानों की माली हालत की तुलना अगर हम गेहूं या अन्य फसलें उपजाने वाले किसानों से करें, तो उनमें कोई बड़ा अंतर नहीं दिखता। जीएम सरसों को हरी झंडी दिखाने के फैसले को कुछ विशेषज्ञों ने दूसरी हरित क्रांति की शुरुआत कहा है। एक अर्थ में यह बात सही भी साबित हो सकती है। पहली हरित क्रांति तब हुई थी, जब देश भीषण खाद्य संकट से गुजर रहा था। आज भी कुछ लोग उस हरित क्रांति की ढेर सारी खामियां गिनाते हैं, लेकिन उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बना दिया। इस दूसरी हरित क्रांति की बात उस समय हो रही है, जब देश खाद्य तेलों के मामले में आत्मनिर्भरता से लगातार दूर जा रहा है। देश की खाद्य तेलों की 60 फीसदी जरूरत आज भी आयात से पूरी होती है। आयात पर इस निर्भरता को खत्म करना है, तो तिलहन की उपज तेजी से बड़ानी होगी, जीएम सरसों में जो वादा या दावा किया जा रहा है, उससे भी कहीं ज्यादा तेजी से। मुमकिन है कि कुछ लगातार प्रयासों से यह लक्ष्य भी हासिल हो जाए। मगर क्या इससे किसानों की समस्याएं भी खत्म

हो जाएंगीड़ क्या सरसों की अधिक पैदावार किसानों की अधिक आमदनी की गारंटी बन सकेगीड़ यह बात याद रखनी भी जरूरी है कि जिसे हम पहली हरित क्रांति कहते हैं, उसने देश के खाद्य संकट का समाधान तो किया ही था, किसानों की बहुत सारी समस्याओं को भी हल किया था। पहली हरित क्रांति के पीछे भी विज्ञान था, गेहूं की एक उन्नत किस्म थी, जिसे मैक्सिको के वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग ने काफी प्रयासों से विकसित किया था। बौने पौधे वाली गेहूं की इस किस्म में अधिक उपज की गारंटी तो थी ही, साथ-साथ यह फसल को कई तरह के रोगों और कीटों से भी बचाती थी। इसकी अधिक उपज के साथ एक शर्त यह भी जुड़ी थी कि किसान खेती के अपने परंपरागत तरीकों को बदलें। खेत की उर्वरता बड़े और समय पर सिंचाई का पक्का इंतजाम हो। नॉर्मन बोरलॉग ने विज्ञान की अपनी जादूगरी से हमें जो बीज सौंपे थे, अगर हम उसके लायक जमीन न तैयार कर पाते, तो वह जादू कम से कम भारत में तो अपना तिलस्म खो बैठता। शुरुआत के कुछ साल तो इसी जमीन को तैयार करने में बीते। किसानों को प्रशिक्षण देने के अलावा बड़े पैमाने पर उर्वरकों का इंतजाम किया गया। यह रासायनिक खाद इतनी महंगी थी कि उन्हें खरीद पाने की हैसियत देश के आम किसानों की नहीं थी। किसानों को उर्वरकों का इस्तेमाल सिखाने से कहीं ज्यादा कठिन था, अर्थशा्त्रियों और नीति-नियामकों को उनकी कीमत कम करने के लिए राजी करना। एक दूसरा खतरा भी था, जिसे समय रहते भांप लिया गया था। डर यह था कि अगर इन सबसे उपज वास्तव में बड़ गई, तो एक समय के बाद किसान सिर्फ हरित क्रांति की कामयाबी की वजह से दिवालिया होने के कगार पर पहुंच जाएंगे। जिस साल उपज रिकॉर्डतोड़ होगी, मंडियों में गेहूं के भाव गोते लगाएंगे और सारी मेहनत के बाद किसानों के हाथ कुछ नहीं आएगा। इन दोनों चीजों का जो समाधान निकाला गया, वह हरित क्रांति का मूल आधार था। यानी, लागत पर सब्सिडी और उपज की खरीद की गारंटी। इन दोनों चीजों के लिए बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत थी, खासकर उपज की खरीद के लिए। जगह-जगह इस सोच के साथ खरीद केंद्र बने कि उपज बेचने के लिए किसानों को सैकड़ों मील दूर की यात्रा न करनी पड़े। भारतीय खाद्य निगम के इतने भारी-भरकम गोदाम बने, जो कुछ जगह तो नगरों का सबसे महत्वपूर्ण लैंडमार्क ही बन गए। जल्द ही इतनी उपज होने लगी कि गोदामों में जगह नहीं बची। उनके बाहर अनाज के सड़ने और चूहों का भोजन बन जाने की खबरें सालाना रस्म बन गईं। महामारी के बाद आज अगर 80 करोड़ से ज्यादा आबादी को मुफ्त अनाज इस देश के खाद्य बाजार और संतुलन पर दबाव बनाए बिना दिया जा रहा है, तो इसका बहुत बड़ा श्रेय इसी हरित क्रांति को जाता है। पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश के जिन हिस्सों में इसे सबसे अच्छी तरह लागू किया गया, वहां के किसान इससे भले ही बहुत अमीर नहीं हुए, लेकिन उनकी बदहाली तो जरूर दूर हुई। कई दशक बाद यह बदहाली अब तकरीबन सभी जगह लौटने लगी है। कृषि अब घाटे का सौदा हो गई है। यह बात कई आयोगों व शोधों में सामने आ चुकी है और सरकारें भी इसे स्वीकार कर चुकी हैं। जिसे हम दूसरी हरित क्रांति कहते हैं, उसकी सबसे बड़ी जरूरत इसी सूरत को बदलने के लिए है। किसानों की आर्थिक समृद्धि का पुख्ता इंतजाम किए बिना इस क्रांति का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। लगातार बड़ते और आक्रामक होते बाजार के बीच किसानों की आर्थिकी मजबूत बनी रहे, इसकी व्यवस्था इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है। बिना इसके जीएम सरसों जैसी तकनीक हमें बहुत दूर तक नहीं ले जा सकेगी। एक बार फिर नए विज्ञान के लिए नई जमीन तैयार करने की जरूरत है।

इंदिरा की शहादत से उपजे सबक

इस सवाल का जवाब ढूंढ़ने के लिए आपको 38 साल पीछे लौटना होगा। इंदिरा गांधी की हत्या उनके आवास पर उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों द्वारा कर दी गई थी। 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के बाद से खुफिया ब्यूरो (आईबी) और रिसर्च ऐंड एनालिसिस विंग (रॉ) को लगातार इनपुट मिल रहे थे कि सीमा पार से आईएसआई के आला अधिकारी इंदिरा गांधी को रास्ते से हटाने की साजिशें रच रहे हैं। यही वजह थी कि प्रधानमंत्री के आवास और कार्यालय की किलेबंदी में दिल्ली पुलिस के साथ केंद्रीय बलों के जवानों को तैनात कर दिया गया था। प्रधानमंत्री की इस सुरक्षा-व्यवस्था की नियमित समीक्षा होती और खुफिया एजेंसियों के अधिकारी भी इनमें हिस्सा लेते। उन्हीं दिनों 'रॉ' को जानकारी मिली कि सुरक्षा चक्र के अंदरूनी घेरे में तैनात दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर बेअंत सिंह ने कुछ दिनों पहले अमृत छका है और उसकी मुलाकातें संदिग्ध लोगों से हो रही हैं। जीते जी किंवदंती बन चुके 'रॉ' के आर एन काव उन दिनों इंदिरा गांधी के वरिष्ठ सुरक्षा सलाहकार हुआ करते थे। बांग्लादेश के स्वाधीनता संग्राम की शुरुआत के पूर्व ही काव ने इंदिरा गांधी को वहां पनप रहे असंतोष की सटीक जानकारी दे दी थी। वह न केवल मुक्तिवाहिनी के वास्तुकारों में एक थे, बल्कि सैन्य रणनीति के निर्धारण में भी उनका खासा दखल था। 1971 की उस जंग में भारत की ऐतिहासिक विजय ने 1962 में चीन युद्ध के आघात से उबरने का मौका मुहैया कराया था। हमारा राष्ट्रीय गौरव नए शिखर पर प्रतिष्ठापित हो रहा था। यही वजह है कि प्रधानमंत्री उन पर काफी भरोसा करती थीं। काव ने बेअंत के संदेहास्पद होने की ताकीद की थी। इसी आधार पर उसका तबादला दिल्ली पुलिस की सशस्त्र इकाई में कर दिया गया था। कहते हैं कि इंदिरा गांधी उसे बेहद पसंद करती थीं और 'सरदार जी' कहकर पुकारती थीं। उनकी दखल पर वह कुछ दिनों में वापस लौट आया। 31 अक्तूबर की उस काली सुबह प्रधानमंत्री पर सबसे पहले उसी ने गोली चलाई। केहर और सतवंत सिंह ने उसका साथ दिया। कुछ देर बाद बेअंत को 'रहस्यमय' कारणों से गोली मार दी गई। प्रधानमंत्री की हत्या के षड्यंत्र का वही मुख्य मोहरा था। उसका बयान कई तथ्यों को उजागर कर सकता था।

इस सनसनीखेज हत्याकांड से सबक लेकर राजीव गांधी सरकार ने प्रधानमंत्री और उनके परिजनों की सुरक्षा के लिए अलग विशेषाधिकार प्राप्त एजेंसी की स्थापना की। उसका नाम- 'स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप' यानी एसपीजी रखा गया। एसपीजी आज तक प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। नियमों के अनुसार, खुद प्रधानमंत्री अपने सुरक्षाकर्मियों और कार्यकारी चिकित्सक के बिना आवास नहीं छोड़ सकते। यह सुखद है कि कुछ चूकों को छोड़ दें, तो इस एजेंसी के गठन से आज तक किसी भारतीय प्रधानमंत्री के नजदीक कोई हमलावर नहीं पहुंच सका है। भविष्य में ऐसा कभी न हो, इसके लिए एसपीजी का तंत्र छोटी-मोटी भूलों का भी संज्ञान ले अपनी व्यवस्था को दुरुस्त करता चलता है। लगभग सभी राज्यों ने आगे चलकर इसी तर्ज पर अति-विशिष्ट लोगों के लिए सफल सुरक्षा प्रोटोकॉल तैयार किए। उस हादसे से उपजा यह पहला सबक था। अति-विशिष्ट लोग इससे महफूज तो हुए, पर आम आदमी से उनकी दूरी बड़ती चली गई। आज देश में सुरक्षा पाना जरूरत से ज्यादा रुतबे का प्रतीक बन गया है। लोकतंत्र के लिए यह शुभ

शगुन नहीं है। कहते हैं न, हर बुराई में कोई अच्छाई और हर अच्छाई में कोई बुराई छिपी होती है। यह कहावत इस मामले में पूरी तरह चरितार्थ होती है। पहला, 12 नवंबर 2007, मॉस्को। हमलोग तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ रूस में थे। वहां के भारतीय दूतावास ने चुनिंदा लोगों के लिए आलीशान रेस्तरां, 'नसीरुद्दीन' में रात्रिभोज का आयोजन किया था। नसीरुद्दीन दिव्य मध्य एशियाई भोजन के साथ बैले नृत्य के लिए मशहूर है। वहां थिरक रही नर्तकी की ओर जब भी नजर उठती, तो उसकी आंखों में सूनेपन का समंदर ठहरा हुआ पाता। चकाचौंध भरी जगहों पर परिचारकों और प्रस्तुतकर्ताओं की आंखों में अक्सर ऐसे भाव दिखाई दे जाते हैं। तब तक मालूम न था कि कुछ मिनट बाद ऐसा दृश्य सामने आने वाला है, जो स्मृतियों के खंडहरों में अपनी स्थायी जगह बना लेगा। भोज समाप्त कर हम एयरकंडीशंड गाड़ियों में सवार हो मोस्क्वा नदी की ओर बड़ चले थे। चौड़ी सड़कों के दोनों ओर गगनचुंबी इमारतें पसरी हुई थीं। एक लालबत्ती पर गाड़ी रुकी और अचानक बगल की गली में मेरी नजर पड़ी। कमान जैसी झुकी कमर लिए एक बुजुर्ग महिला छड़ी के सहारे खरामा-खरामा किसी तरह आगे बड़ने की कोशिश कर रही थी। मॉस्को को जानने वाले जानते हैं कि मध्य नवंबर का वक्त वहां कितना सर्द होता है। बर्फ पड़नी शुरू हो चुकी थी और बर्फीली हवाएं बदन को चीरे डाल रही थीं। ऐसे में किसी तरह खुद को आगे धकेलती वृद्धा के दोनों ओर बहुमंजिला इमारतों के साए मानो उसे लीले जा रहे थे। कवि दुष्यंत दिमाग के बंद दरवाजे भड़भड़ाने लगे थे- ये सारा जिस्म झुककर बोझ से दुहरा हुआ होगा, मैं सजदे में नहीं था आपको धोखा हुआ होगा। तीन दिन पहले हम संपदा का त्योहार दिवाली मनाकर नई दिल्ली से उड़े थे। मॉस्को वह शहर है, जहां संसार के सर्वाधिक नवधनाढ्य रहते हैं। पूंजीवाद ने सिर्फ इस मुल्क के समाजवाद को नहीं लीला, बल्कि उस वृद्धा जैसे लाखों लोगों को आफतों के अनंत साए में धकेल दिया है। अगला वाकया दिल्ली में पेश आया। पांच साल बाद लगभग वैसा ही दृश्य दिवाली से दो दिन पहले देश की राजधानी में देखने को मिला। मैं रांची से देर शाम की उड़ान से लौटकर घर की ओर निकला था। चाणक्यपुरी के एक पंच सितारा होटल के ठीक बगल वाली सड़क पर मैंने मजदूर मां को अपने पांच-छह साल के बच्चे के साथ तेज कदमों से घर लौटते देखा। राजनयिकों और रईसों की इस रिहाइश में गरीबों के डेरे न जाने कितनी दूर और कहां हैं पता नहीं, तेज भागती गाड़ियों के बीच उन्हें कितनी और देर कदम घसीटने थेड़ लगता था कि हेडलाइट्स की चुंधियाती रोशनी पर परत की तरह जमे ऊंची इमारतों की परछाइयों के बोझ में वे मां-बेटे दबे जा रहे हैं। तब से अब तक गंगा, यमुना, दजला, फरात, मोस्क्वा, राइन और इन जैसी दुनिया भर की तमाम नदियों में न जाने कितना जल बह गया, लेकिन विषमता की खाई कम होने के बजाय विकराल होती चली गई। इस दौरान कुछ अच्छी खबरें अवश्य आईं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी ताजा रिपोर्ट में भारत की अनुमानित विकास दर को कुछ कम करने के बावजूद मंदी से खुद को बचा सकने में सक्षम आंका। यही रिपोर्ट बताती है कि साल 2028 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसी तरह, संयुक्त राष्ट्र का पिछले हफ्ते प्रकाशित हुआ सर्वेक्षण कहता है कि 2005-21 के बीच भारत में 41.5 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से ऊपर उठाए गए। यकीनन, कोविड और दुनिया भर में मची उथल-पुथल के बावजूद मोदी सरकार ने हिम्मत और हौसले को कायम रखा है। हालांकि, असमानता की खाई हमारे यहां भी पांव पसार रही है। इस पर नजर रखनी जरूरी है। स्वदेशी का मॉडल इस महादुर्दशा से उबारने में कामयाब हो सकता है। वजहड़ हिन्दुस्तान के गांव और कस्बे अभी तक ऊर्जा रहित नहीं हुए हैं। आपको आंख खोलने वाला एक उदाहरण देता हूं। देश की सर्वाधिक प्रति-व्यक्ति आय का गौरव रखने वाले छोटे-बड़े प्रमुखतम शहरों में गुजरात का छोटा कस्बाई शहर मोरबी है। बरसों पहले शामली गया था। वहां के लोगों ने कहा था, प्रति-व्यक्ति आयकर देने के मामले में हम बेंगलुरु से आगे हैं। मैंने कभी इस दावे को आंकड़ों की कसौटी पर नहीं कसा, मगर इसमें दो राय नहीं कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इस कस्बे के लोग अपने दम-खम पर यकीन रखने वाले थे। खुद पर यकीन रखने वालों की हार नहीं होती। हमें बस इतना करना है कि समाज की निचली सीढ़ी पर बैठे लोगों के भरोसे को डिगने नहीं देना है। कोविड के दौरान सरकार ने उन्हें निन्शुल्क राशन दिया, जिससे उनमें भरोसा जागा कि हम सिर्फ राम-भरोसे नहीं हैं। अब उन्हें उनकी सरजमीं पर ही सक्षम बनाने की जरूरत है। हमें उनका पलायन रोकना होगा। तीन वर्ष पूर्व जारी एक सरकारी सर्वे के अनुसार, प्रति मिनट 25-30 व्यक्ति रोटी-रोजगार या बेहतरी के लिए गांवों से शहर की ओर भाग रहे हैं। यही रफ्तार रही, तो देश की 60 करोड़ आबादी अतिशीघ्र शहरों में रहती पाई जाएगी। हमारे शहर पहले से ही जनसंख्या के बोझ से कराह रहे हैं। गंदे होते शहर और वीरान हो रहे गांव हमारा नसीब नहीं सुधार सकते।

गुजरात जो तय करेगा

अगली आठ दिसंबर को गुजरात और हिमाचल विधानसभा चुनावों के नतीजे हिन्दुस्तान की भावी राजनीति की दशा-दिशा के लिए महत्वपूर्ण साबित होने जा रहे हैं। गुजरात पहले भी दो बार देश की राजनीति पर असर डाल चुका है। अपनी बात समझाने के लिए मुझे आपको पचास साल पीछे ले जाना होगा। कांग्रेस ने 1972 का विधानसभा चुनाव जबरदस्त बहुमत के साथ जीता था। उसे 168 में से 140 सीटें हासिल हुई थीं। इस जनादेश के जिन्न पर सवार कांग्रेस ने सवा साल बाद ही अपना मुख्यमंत्री बदल दिया था। चिमन भाई पटेल गांधी नगर के सत्ता-सदन में जा विराजे थे, पर साल बीतते-न बीतते खाद्यान्न, खाद्य तेल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में जबरदस्त वृद्धि के खिलाफ असंतोष पनपने लगा। छात्रों ने इसकी अगुवाई की। पुलिस-प्रशासन ने इसके जवाब में वही किया, जो उसे अंग्रेज विरासत में दे गए थे- बल प्रयोग। इसके बावजूद हालात हाथ से फिसलते चले गए। लगे हाथ विपक्षी दल भी असंतोष के इस अलाव में अपनी रोटियां सेंकने लगे। हालात इस कदर बिगड़ गए कि इंदिरा गांधी को अपनी ही पार्टी की सरकार भंग करवानी पड़ गई थी। गुजरात के सफल छात्र आंदोलन से प्रेरित हो मार्च, 1974 में बिहार के छात्रों ने भी आंदोलन शुरू किया। पहले गुजरात और अब बिहार में नौजवानों का जज्बा देख राजनीति से रिटायर हो चुके जयप्रकाश नारायण अपनी तंद्रा छोड़ मैदान में उतर पड़े थे। उन्होंने इसी दौरान 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान किया। वह मानते थे कि इंदिरा गांधी की 'तानाशाह प्रवृत्ति' से निपटने का अकेला तरीका यही है। आज के नीतीश कुमार, लालू यादव, रविशंकर प्रसाद, सुशील मोदी जैसे स्थापित नाम उसी दौर में चर्चा में आए। वे आज तक प्रदेश या देश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बिहार से शुरू हुआ यह आंदोलन देखते-देखते बड़े भूभाग में फैल चुका था। इसी बीच इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इंदिरा गांधी का चुनाव रद्द कर दिया। घबराई इंदिरा गांधी ने इन हालात से निपटने के लिए देश पर आपातकाल थोप दिया। पौने दो बरस बाद, 1977 में उन्होंने आपातकाल हटाकर चुनाव की घोषणा की, पर परिणाम इंदिरा के

पक्ष में नहीं आए। नतीजतन, पहली बार नई दिल्ली की सत्ता पर कोई गैर-कांग्रेसी सरकार विराज सकी। गुजरात से भभकी असंतोष की ज्वाला की यह तार्किक परिणति थी। तब से अब तक आठ गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री शपथ ले चुके हैं। इनमें से नरेंद्र मोदी अकेले ऐसे हैं, जिन्होंने दो लोकसभा चुनाव लगातार बहुमत के साथ जीते हैं। आपको 26 जनवरी, 2001 को कच्छ में आया भयानक जलजला याद होगा। उस समय गुजरात में भारतीय जनता पार्टी के केशूभाई पटेल मुख्यमंत्री हुआ करते थे। पटेल इस आपदा से निपटने में असफल साबित हो रहे थे। पनपते जनरोष को थामने के लिए भाजपा आलाकमान ने नरेंद्र मोदी को मुख्यमंत्री की कुरसी पर बैठा दिया। तब तक मोदी के पास सरकार चलाना तो दूर, किसी सरकार में शामिल होने का भी अनुभव न था। वह संगठनकर्ता बहुत अच्छे थे, पर प्रशासक कैसे होंगे, इसको लेकर तमाम आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। एक साल के अंदर उन्होंने जिस तरह भुज का कायाकल्प किया, उससे उनके आलोचक भी हक्का-बक्का रह गए। यहीं से 'ब्रांड मोदी' के पुख्ता होने की शुरुआत हुई, जिसकी चमक आज तक कायम है। वह लगातार तीन बार गुजरात विधानसभा और दो बार लोकसभा चुनाव जीतकर सियासत की नई परिभाषा गड़ने में कामयाब रहे हैं। यह चुनाव कई मायनों में अलग हैं। 2017 तक वहां कांग्रेस और भाजपा गुत्थमगुत्था होती थीं, मगर पहली बार आम आदमी पार्टी तीसरी शक्ति के तौर पर ताल ठोक रही है। तीन बार दिल्ली जीतने के बाद अरविंद केजरीवाल पंजाब में अकल्पनीय बहुमत लाकर अपना दम-खम साबित कर चुके हैं। पिछले दिनों उनकी पार्टी ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में दो नगर निकायों में 28 सीट जीतकर सियासी आकलनकर्ताओं को अचरज में डाल दिया था। चुनाव आयोग ने जैसे ही चुनावी तारीखों का एलान किया, केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा- गुजरात की जनता इस बार बड़े बदलाव के लिए तैयार है। हम जरूर जीतेंगे। केजरीवाल के प्रशंसक कहते हैं कि दिल्ली और पंजाब की भांति गुजरात में भी कांग्रेस का वोट आप को 'ट्रांसफर' होगा। अगर ऐसा हो जाता है, तो आम आदमी पार्टी की तीन राज्यों में सरकार होगी और 2024 के चुनावों का विमर्श गड़ने में उसकी प्रमुख भूमिका होगी। इसके विपरीत कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि आम आदमी पार्टी ने जबरदस्त चुनावी चर्चा अवश्य हासिल कर ली है, पर बहुत जल्दी प्रचार के शीर्ष पर पहुंच जाना कभी-कदा खतरनाक साबित होता है। पिछली बार कांग्रेस ने अपना 'टेंपो' जरूरत से पहले इतना 'हाई' कर लिया था कि अंत तक उसका निर्वाह नहीं किया जा सका। यही वजह है कि कांग्रेस नितांत नई रणनीति पर काम कर रही है। राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भूमि नाप रहे हैं, पर गुजरात को जान-बूझकर उनके 'रूट' से अलग रखा गया है। पार्टी के अन्य नेता और नेहरू-गांधी परिवार के बाकी दो सदस्य अभी तक प्रचार से दूर हैं। उनके स्थान पर कांग्रेस की गुजरात इकाई के नेतृत्व को छोटी-छोटी यात्राओं के जरिये पांच करोड़ मतदाताओं से सीधा संवाद बनाने को कहा गया है। आदिवासी नेता छोटू बसावा, जो कुछ दिनों पहले तक आम आदमी पार्टी को गलबहियां डाले हुए थे, अब कांग्रेस की ओर आकर्षित दीख रहे हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी को उम्मीद है कि शहरी क्षेत्रों में आम आदमी पार्टी भाजपा के वोट काटेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में हम अपने मतदाताओं को एकजुट रखने में कामयाब हो सकेंगे। कांग्रेस सीधे मोदी और उनके राष्ट्रवाद पर प्रहार करने के बजाय भाजपा को स्थानीय मुद्दों पर घेरने की तैयारी में है। उधर, भारतीय जनता पार्टी 'मोदी नाम केवलम्' के मंत्र पर चल रही है। यह रणनीति 2017 में भी कारगर रही थी। तब मतदाता पत्रकारों से अक्सर कहते पाए जाते थे कि हम भाजपा से नाराज जरूर हैं, पर गद्दार नहीं। यही वजह है कि जब ईवीएम की सील टूटी, तो भाजपा के पक्ष में 49.44 फीसदी, तो कांग्रेस के समर्थन में लगभग 43 फीसदी वोट सामने आए। उत्साहित भगवा दल ने इसीलिए अपने कार्यकर्ताओं के समक्ष 150+ सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। निस्संदेह, सभी दल बड़-चड़कर लोकतंत्र के इस महाकुंभ में हिस्सेदारी निभा रहे हैं और अब आठ दिसंबर का इंतजार है। उस दिन सिर्फ हार-जीत नहीं, देश की भावी राजनीति की दशा-दिशा का भी संकेत मिलेगा। तब तक क्यों न चुनावी चौसर का आनंद उठाया जाए।

महिला ने दी धमकी तो उर्फी जावेद ने लगाई लताड़

कपड़ों और बोल्ड लुक को लेकर उर्फी जावेद अक्सर निशाने पर रही हैं। उर्फी को इस वजह से धमकियां भी मिल चुकी हैं लेकिन वह बेबाक और बिंदास होकर उनको मुंहतोड़ जवाब देती हैं। अब उर्फी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियोज पोस्ट बताया है कि एक महिला उन्हें थप्पड़ मारने की धमकी दे रही है। महिला कहती है कि एक्ट्रेस को गिरफ्तार करना चाहिए।
उर्फी ने जवाब देते हुए कहा कि वह जैसी है वैसी ही रहेंगी जिसे जो करना है वो कर ले।उर्फी ने महिला का यूट्यूब पर शेयर किया हुआ वीडियो दिखाया जिसमें वह उर्फी की एक ड्रेस दिखाती है। उर्फी ने घड़ियों से ड्रेस बनाया हुआ है। महिला उर्फी के लिए कहती है कि ये लड़की कहीं पर भी मिली तो उसे थप्पड़ मारेगी और सीधा पुलिस स्टेशन जाना पड़ेगा। महिला ने आगे कहा कि उर्फी के खिलाफ मौलानाओं को फतवा जारी करना चाहिए और पुलिस को उसे गिरफ्तार करना चाहिए। अगले इंस्टा स्टोरी पर वीडियो में उर्फी उस महिला को जवाब देते हए कहती हैं, 'इस महिला ने कुछ दिनों पहले मुझे फोन किया था और कहा था कि वो मेरी मदद करना चाहती है। मुझे बस इतना करना था कि उस लेडी को मीडिया के सामने लेके जाना है और बताना है कि उसने मेरी हेल्प की है। मैंने मना कर दिया क्योंकि मुझे इसकी जरूरत नहीं है। मीडिया के सामने जाने के लिए मेरे कपड़े ठीक थे, अभी जब मैंने मीडिया अटेंशन नहीं दिया तो मेरे कपड़े खराब हो गए। तुम मुझे मारोगी। तुम चाहे जो हो मुझे मारके दिखाओ। आगे उर्फी ने लिखा, 'हां यार बहुत गंभीर मसला है ये लेकिन तब मुझे फोन क्यों किया। तब अटेंशन नहीं दिया तो सोचा अब क्या करूं। चलो यार ले लो अटेंशन तुम भी। पॉलिटिशियन बनना चाहती हो। इन सबके बीच क्या आपको पता है कि अंधेरी में ज्यादातर क्लब ने उन्हें बैन कर रखा है। क्योंकि लाखों रेप केस पड़े हुए हैं, लाखों घरेलू हिंसा के केस पड़े हैं लेकिन यह जरूरी है कि उर्फी ने अपने शरीर पर क्या पहन रखा है और उसके खिलाफ लोगों को भड़काया जाए। आंटी आप बुलाओ पुलिस पर पार्टी तो यूं हीं चलेगी।

'मुस्लिम नाम से खिलवाड़ कर रही', अब सुनील पाल के निशाने पर आईं उर्फी जावेद

'बिग बॉस ओटीटी' में उर्फी जावेद एक हफ्ते ही रहीं लेकिन शो से उन्हें जबरदस्त लोकप्रियता मिली। वह अपने स्टाइल से हमेशा सुर्खियां बटोरती हैं। हालांकि कभी वह सोशल मीडिया पर ट्रोल होती हैं तो कभी सेलिब्रिटीज उन पर निशाना साधते हुए देखे जाते हैं। उर्फी के कपड़ों और सेमी न्यूड लुक को लेकर हाल ही में एक महिला ने कहा कि उनके खिलाफ फतवा जारी होना चाहिए। महिला ने आगे यहां तक कहा कि पुलिस को चाहिए कि उर्फी को गिरफ्तार करे। उर्फी ने उस महिला का वीडियो अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर करते हुए जवाब भी दिया था। अब कॉमेडियन सुनील पाल ने उर्फी के कपड़ों पर रिएक्ट किया है। कुछ दिनों पहले ही 'अनुपमा' फेम एक्टर सुधांशु पांडे ने उर्फी को घटिया बताया। इन सबके बीच सुनील पाल ने एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि उर्फी को समझाने की जरूरत है। जिस महिला ने उन पर एफआईआर किया उसने सही किया। उर्फी का दिमाग खराब हो गया है और वह मुस्लिम नाम खराब कर रही है। सुनील पाल कहते हैं, ' उर्फी जावेद क्या पगला गई है। उर्फी के खिलाफ जिस महिला ने एफआईआर की मैं उनका धन्यवाद करना चाहूंगा। मैं बहुत दिनों से उर्फी को देख रहा हूं। मुझे लगता है कि वह चाहती ही थी कि ऐसा कुछ हो जिससे वह चर्चा में रहे। भले ही वो गैर कानूनी ही क्यों ना हो। उर्फी जावेद नाम रख लिया। हमारे पवित्र मुस्लिम नाम से वो जिस तरह से खिलवाड़ कर रही है यह मुझे पसंद नहीं है। वह आगे कहते हैं, 'सबको मिलकर उस बहन को समझाना चाहिए, सजा मत दो, समझाओ कि बेटा मेहनत करो। काम करो। सीखो। ये शरीर प्रदर्शन करके तुम्हें दो चार दिन की सफलता मिल जाएगी लेकिन शिखर नहीं मिलेगा। मुझे लगता है कि वो चाहती थी किउसके बारे में चर्चा हो। यही वजह है कि वो कम कपड़े पहनकर जगह-जगह जाती थी। कम कपड़े क्या वह ना के बराबर कपड़े पहनती है। न्यूज में रहने के लिए न्यूड होती है। बहुत ही गलत नीयत से आई है। हालात जो भी रहे हों मेहनत कर सकती हो।

सर्दियों में होती हैं स्किन से जुड़ी कई समस्याएं

स्किन हमारे व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सुंदर त्वचा वाले व्यक्ति लोगों पर प्रभाव पड़ता है। प्रदूषण, मौसम और हमारी दिनचर्या से त्वचा प्रभावित होती है। इससे कई बार त्वचा संबंधी समस्याएं हो जाती हैं। इसलिए स्किन की देखभाल के लिए छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आप भी कई बातों को ध्यान में रखकर अपनी त्वचा की कई समस्याओं का इलाज कर सकते हैं। सर्दियों में हवा शुष्क होती है। इससे त्वचा संबंधी कई प्रॉब्लम हो जाती हैं। इन टिप्स को ध्यान में रखकर आप सर्दियों में अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं। आइए जानते है सर्दियों में स्किन केयर के कुछ टिप्स।

साबुन-साबुन में कई तरह के केमिकल होते है। इससे स्किन शुष्क हो जाती है। इसलिए साबुन के इस्तेमाल से बचें। खासकर फेस पर साबुन न लगाएं। माइल्ड क्लींजर का इस्तेमाल करें।

गर्म पानी से न नहाएं-बहुत से लोगों को गर्म पानी से नहाने की आदत होती है। इससे आपकी त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है। नतीजतन आपकी त्वचा बेजान दिखने लगती है।

रूखी त्वचा के लिए मॉइस्चराइजर-सर्दियों में भी त्वचा को मॉइस्चराइज करने का ध्यान रखें। अगर आपकी स्किन रूखी है, तो अपनी त्वचा के प्रकार के अनुरूप मॉइस्चराइजर का प्रयोग करें।

डिस्क्लेमर-यह लेख सामान्य जानकारी के आधार पर लिखा गया है। अधिक जानकारी के लिए हमेशा डॉक्टर्स की सलाह जरूर लें। हमारा उद्देश्य सिर्फ सूचना पहुंचाना है, पाठक या उपयोगकर्ता इसे सिर्फ सूचना समझकर ही लें। इसके अतिरिक्त इसके किसी भी तरह से उपयोग की जिम्मेदारी स्वयं उपयोगकर्ता या पाठक की ही होगी।

बैकलेस ड्रेस में मलाइका अरोड़ा ने दिखाईं किलर अदाएं

मलाइका अरोड़ा अपने फैन्स से हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। वह भले ही फिल्म या किसी शो में नजर ना आ रही हों लेकिन यह उनका जलवा ही है कि पपराजी के बीच वह छाई रहती हैं। मलाइका अपने जिम लुक और एयरपोर्ट लुक से हमेशा प्रभावित करने में कामयाब रहती हैं। रविवार को मलाइका मुंबई के बांद्रा में स्पॉट की गईं। एक बार फिर से उन्होंने अपनी किलर अदाएं दिखाईं। इस दौरान वह पपराजी को देखते हुए हाथ वेव करती हैं और फिर कार में जा बैठती हैं। मलाइका ने इस बार बैकलेस मैक्सी ड्रेस पहनी थी। उन्होंने बालों का बन बनायाऔर चश्मा लगाया था। मलाइका बिल्डिंग से निकलती हैं तभी कार से उनका पालतू कुत्ता बाहर आता है और फिर मलाइका कार में जाकर बैठ गईं। हमेशा की तरह मलाइका का ग्लैमरस लुक है लेकिन ट्रोल्स ने एक बार फिर से उन्हें ट्रोल करने लगे। एक यूजर ने कहा, 'वह चल कैसी रही हैं।' एक यूजर लिखते हैं, 'पर्दा पहन लिया क्या?' एक ने कहा, 'मेरे घर पे पर्दा चोरी हो गया है किसी को दिखे तो बताना।' एक अन्य ने कहा, 'हमेशा दिखावा करती हैं। कहीं पर भी जा रही हों हमेशा दिखावा करना है। मलाइका की निजी जिदंगी की बात करें तो वह इस वक्त अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं। दोनों साल 2019 से रिलेशनशिप में हैं। कपल ने अभी तक शादी की कोई प्लानिंग नहीं की है।

शादी के बाद मीडिया के सामने आए पलक मुच्छल और मिथुन

सिंगर पलक मुच्छल और म्यूजिक डायरेक्टर मिथुन ने रविवार को मुंबई में शादी कर ली। दोनों लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। 'चाहूं मैं या ना' फेम सिंगर पलक ने शादी के बाद सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने बताया कि आज वो हमेशा के लिए एक हो गए हैं। शादी के दिन पलक ने लाल रंग का लहंगा पहना जबकि मिथुन ने बेज और मरून कलर का शेरवानी कैरी किया। शादी की रस्में करीबियों के बीच हुईं। रविवार को ही उनके वेडिंग रेसिप्शन का आयोजन किया गया जिसमें बॉलीवुड और टीवी के जाने माने सितारे पहुंचे। पलक और मिथुन शादी के बाद मीडिया के सामने आए और फोटोज क्लिक करवाई। कपल की रिसेप्शन पार्टी में सोनू निगम, कैलाश खेर, रुबीना दिलैक, अभिनव शुक्ला, मुकेश भट्ट, निर्देशक मिलाप जावेरी, मधुर भंडारकर, जावेद अली सहित अन्य लोग पहुंचे। सोशल मीडिया पर रिसेप्शन पार्टीज की फोटोज छाई हई हैं। इससे पहले पलक और मिथुन की प्री-वेडिंग सेरेमनी हुई। उनकी हल्दी और मेहंदी की तस्वीरें सामने आई थीं। प्री-वेडिंग सेरेमनी पलक के मुंबई स्थित घर पर हुई। पलक के भाई पलाश ने अपने इंस्टाग्राम पर हल्दी और मेहंदी फंक्शन की तस्वीरें शेयर की थीं।

18 राज्यों के युवा दे रहे हैं राष्ट्रीय एकता का संदेश

साझा कर रहे हैं भारतीय संस्कृति की अद्भुत प्रस्तुतियां

दैनिक पुष्पांजली टुडे ग्वालियर। भारत की एकता और अखंडता को मजबूत बनाए रखने के लिए देश के भविष्य युवाओं को भारत की पुरातन संस्कृति तथा परंपरागत टिकाऊ जीवन शैली को समझने और अपनाने की जरूरत है। यह बात राष्ट्रीय युवा योजना के तत्वाधान में सोमवार को जीनीयस इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल ग्वालियर में आयोजित राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना शिविर के संचालक मधुसूदन दास ने कही। उन्होंने कहा दुनिया में भारत एक महान देश है जहां दुनियां के 4 महाधर्मों का जन्म हुआ, जहां 1654 मात्र भाषाएं है तथा 22 भाषाओं को भारतीय संविधान में शामिल किया गया है। खानपान ,वेशभूषा भिन्न हैं। ऐसे महान राष्ट को एक बनाये रखने के युवाओं को भारतीयता से परिचित करवा कर जीवन में अपनाना होगा तभी भारत दुनियां मे महानता हांसिल करेगा। भारत की

संतान के निदेशक तथा ध्वज वंदन के प्रशिक्षक नरेंद्र बड़गॉवकर ने झंडा वन्दन के महत्व को समझाते हुए कहा कि पूरे देश के 8 लाख गांव में झंडे का महत्व गरिमा, सम्मान तथा झंडा फहराने के नियमों के बारे में विस्तार से समझने की जरूरत है। ताकि झंडे के महत्व के बारे सभी देशवासी समान रूप से समझ कर उसके सम्मान के लिए पूर्ण रूप से समर्पित हों।

ध्वज बंदन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएसपी रवि भदौरिया ने ध्वज बंधन कर शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यहां युबको युवतियों को राष्ट्रीय एकता का सही प्रशिक्षण दिया जा रहा है। देश को तोड़ने वाली ताकतों के लिए ये युवा जबाब हैं। युवा शक्ति जागेगी तभी राष्ट मजबूत होगा। केरल से आये सुकुमारन जी ने मलयालम भाषा की क्लास ली। जिसमें 2 दर्जन शिविरार्थीयों ने मलयालम भाषा सीखी। इसी प्रकार तमिल, मराठी, गुजराती, असमिया ,बंगाली ,ओरिया तथा पंजाबी भाषा का क्लास चली। शिविर के संयोजक युवराज सिंह ने बताया 8 नवम्बर को ठाठीपुर तथा 9 नंवबर को बाड़े पर प्रार्थना सभा तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। राष्ट्रीय युवा योजना के राष्ट्रीय सचिव रन सिंह परमार ने बताया कि इन शिविरों का आयोजन आड़ादी के अमृत महोत्सव वर्ष में पूज्य भाई जी के राष्ट्रीय एकता के संदेश को देश भर पहुंचाने के लिए किए जा रहे हैं। योगेंद्र पाल सिंह जादौन ने योगा क्लास लिया।

शासकीय महाविद्यालय मेहगांव में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश जानो प्रतियोगिता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

मेहगांव। शासकीय महाविद्यालय मेहगांव में प्राचार्य आर के डबरिया जी के निर्देशन में कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती गिरिजा नरवरिया द्वारा मध्यप्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम की श्रंखला में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं महाविद्यालय के समस्त छात्र छात्राओं को मध्यप्रदेश जानो से संबंधित प्रश्न मंच प्रो दुर्गेश गुप्ता जी द्वारा तैयार किया गया । जिसमें छात्र-छात्राओं को मध्य प्रदेश की नदियों एवं पर्यटन स्थल से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्नों की जानकारी दी गई। निर्णायक समिति द्वारा प्रशन मंच का प्रतियोगिता परिणाम घोषित किया गया। जिसमें प्रथम स्थान कु. कृतिका शर्मा एवं द्वितीय स्थान कु. रमा भदौरिया ने प्राप्त किया।

विश्वकर्मा जन संगठन के कार्यकर्ता शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे देव सिंह विश्वकर्मा स्वर्गवासी के घर

पवन विश्वकर्मा पुष्पांजलि टुडे

मौ नगर में देव सिंह विश्वकर्मा का स्वर्गवास 30/10/22 हो गया था उनके परिवार के बीच आज विश्वकर्मा जन संगठन के क्रांतिकारी साथीयों के साथ शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे विश्वकर्मा जन संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर बेताल विश्वकर्मा, भिंड जिला संगठन मंत्री एवं पत्रकार पवन विश्वकर्मा, मौ नगर अध्यक्ष डॉक्टर गोविंद विश्वकर्मा ,प्रचार मंत्री उग्रसेन विश्वकर्मा, व्यवस्था मंत्री रामनिवास विश्वकर्मा, संगठन मंत्री सौरभ विश्वकर्मा , अजय झा,कार्तिके विश्वकर्मा,आदि संगठन के जेस्ट श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व विश्वशांति शनि शक्तिपीठ तेतलपारा मैं बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद जिला मैनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत झरगांव के आश्रित पारा तेतलपारा में कार्तिक पूर्णिमा का पावन पर्व सोमवार को श्रद्धा भाव के साथ परंपरागत ढंग से मनाया गया। इस पावन पर्व पर गंगा यमुना नदी में डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो जाता है वही हिंदू घरों में हर्षोल्लास के साथ तुलसी महारानी सालिग राम का विवाह परंपरा के अनुसार किया जाता है। गांव में स्थित पावन खजूर तालाब में स्नान के बाद लोगों ने तालाब के किनारे स्थित विश्व शांति शनि शक्ति पीठ में पूजा अर्चना कर दान पुण्य भी किया एवं सत्यनारायण की कथा व हवन पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। सृष्टि के प्रारंभ से ही कार्तिक पूर्णिमा की तिथि काफी खास रही है। पुराणों में इस पूर्णिमा को स्नान व्रत एवं दान मोक्ष प्रदान करने वाला बताया गया है। इस मास में भगवान श्री नारायण के साथ तुलसी और सालिग राम के पूजन का विशेष महत्व है। माना जाता है कि भगवान शंकर ने त्रिपुरासुर नामक गद्य का अंत किया था और वह त्रिपुरी के रूप में पूजित हुए थे इसी लिए कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है।

नागरिकों के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों और संस्थाओं के समर्पित प्रयास सराहनीयः मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि शासकीय योजनाओं और जन-कल्याणकारी गतिविधियों के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विकास और नागरिकों के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए अधिकारी, कर्मचारियों और संस्थाओं के समर्पित प्रयास सराहनीय है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने केन्द्र सरकार से वर्ष 2022 में राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित अधिकारियों, शासकीय योजनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त जिलों, नवाचार के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2022 से सम्मानित अधिकारियों और मुख्यमंत्री गौरव सम्मान 2022 से सम्मानित संस्थाओं को ट्वीट कर शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि टीम मध्यप्रदेश का समर्पण और तत्परता अनुकरणीय है। नवाचार श्रेणी में सम्मानित होने वाले चयनित जिलों की टीमों के उत्कृष्ट और अद्भुत नवाचार प्रशंसनीय हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश गौरव सम्मान-2022 से सम्मानित होने वाली संस्थाओं को भी बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के निर्देश पर एक नवम्बर से आरंभ मध्यप्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम श्रृंखला में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में केन्द्र सरकार से वर्ष 2022 में राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों के प्राप्तकर्ताओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही शासकीय योजनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन और नवाचार के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार तथा विभिन्न श्रेणियों में उल्लेखनीय कार्य के लिए संस्थाओं को मध्यप्रदेश गौरव सम्मान के लिए चुना गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भारत सरकार से वर्ष 2022 के राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी है।

भारत स्काउट एण्ड गाइड के स्थापना दिवस पर राज्यपाल श्री पटेल को लगाया गया स्कार्फ और बैच

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल को स्कार्फ और बैच लगा कर भारत स्काउट एंड गाइड का स्थापना दिवस आज राजभवन में मनाया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने सहयोग राशि भी भेंट की। भारत स्काउट एंड गाइड मध्यप्रदेश के राज्य सचिव श्री राजेश कुमार मिश्रा एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

आदिवासी वोटरों को साधने के लिए बीजेपी की रथयात्रा

भोपाल। मध्य प्रदेश में आगामी 2023 विधानसभा चुनाव से पहले दोनों ही मुख्य राजनीतिक दल आदिवासी वोट बैंक को साधने में जुट गई ही। ऐसे में भाजपा ने चुनाव को देखते हुए जनजातीय बाहुल्य विधानसभाओं और लोकसभा सीटों पर रथयात्रा निकालने का फैसला किया है। रथयात्रा के दौरान जनजातीय गौरव दिवस पर शहडोल में और टंट्या मामा बलिदान दिवस पर इंदौर बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दरअसल रथयात्रा के दौरान सरकार द्वारा आदिवासियों के लिए चलाई जा रहीं योजनाओं का प्रचार किया जाएगा। और रथयात्रा का समापन 4 दिसंबर को इंदौर में होगा। 4 दिसंबर को महान आदिवासी क्रांतिकारी टंट्या मामा का बलिदान दिवस है। इसी कड़ी में रथयात्रा के दौरान 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर भाजपा शहडोल में बड़े कार्यक्रम का आयोजन करेगी। रथयात्रा की तैयारी जल्द शुरू हो गई है क्योंकि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा जल्द ही एमपी में एंट्री करने जा रही है। भारत जोड़ो यात्रा प्रदेश ।के 13 दिन रहेगी और इस दौरान वह विभिन्न विधानसभाओं और लोकसभा सीटों से होकर गुजरेगी। लेकिन भाजपा इस रथयात्रा को आदिवासी बहुल इलाकों में निकालने की योजना बना रहीं है। राजनीतिक गुरुओं की माने तो भाजपा ने आगामी चुनाव में जयस के प्रभाव को कम करने के लिए अपनी पार्टी के आदिवासी नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। क्योंकि जयस ने 2023 के विधानसभा चुनाव में 80 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारने की घोषणा कर चुकी है। मध्य प्रदेश विधानसभा की 230 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित हैं। इसके साथ ही 80 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर आदिवासियों का बड़ा प्रभाव है। और कारण है कि मध्य प्रदेश में आदिवासी वोटबैंक का समर्थन काफी

शिक्षा प्रगति की पहली सीढ़ी हैः राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल से एकलव्य विद्यालयों के जनजातीय विद्यार्थियों ने की सौजन्य भेंट

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि प्रगति की पहली सीढ़ी शिक्षा है। उन्होंने जनजातीय छात्र-छात्राओं का आव्हान किया कि विकास की मुख्यधारा के साथ कदम ताल के लिए अच्छी से अच्छी शिक्षा प्राप्त करें। राज्यपाल श्री पटेल एकलव्य विद्यालयों की बैंगलुरु में आयोजित राष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले प्रदेश के छात्र-छात्राओं के दल से आज राजभवन मे चर्चा कर रहे थे। श्री पटेल ने सभी प्रतिभागियों को उपहार भी दिए। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। जनजातीय बच्चों की अच्छी शिक्षा में कोई बाधा नहीं आए। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा बच्चों की प्रतिभा को उजागर करने के लिए राष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार बेहतर शिक्षा के लिए सभी तरह के प्रयास कर रही हैं। विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने के प्रयासों में भी सरकार सहयोग करती है और अपने माता-पिता, विद्यालय और गुरूओं के योगदान को कभी भूले नहीं और उनके सम्मान के प्रति सदैव सजग रहें। आयुक्त जनजातीय कार्य श्री संजीव सिंह ने बताया कि बैंगलुरु कर्नाटक में आयोजित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश राज्य के दल ने 13 विभिन्न विधाओं में पुरस्कार प्राप्त किए हैं। प्रतियोगिता में ओवर ऑल मध्यप्रदेश को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। आभार प्रदर्शन अपर आयुक्त जनजातीय श्री के.जी. तिवारी ने किया।

वट वृक्ष के समान हो सहकारिता का विस्तार: मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सहकारिता के विस्तार के प्रतीक स्वरूप सहकारिता मंत्री श्री अरविंद सिंह भदौरिया के साथ स्मार्ट सिटी उद्यान में बरगद का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि सहकारिता से रोजगार सृजन के लिए प्रदेश में जारी गतिविधियों को और विस्तार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खिरनी और शहतूत के पौधे भी लगाए। पौध-रोपण में निर्भया फाउंडेशन, भोपाल के सदस्य शामिल हुए। राजगढ़ जिले की सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री पूजा सोंधिया ने अपने जन्म-दिवस पर पौध-रोपण किया। निर्भया फाउंडेशन के श्री शेर अफजल खाँ, डॉ. प्रतिभा राजगोपाल, श्रीमती समर खान, श्रीमती उषा श्रीवास्तव, श्रीमती मूब्सिरा मसूद, श्रीमती पूजा शर्मा, श्रीमती शीलू मालवीय और श्रीमती भारतीय नरवारे पौध-रोपण में शामिल हुईं। फाउंडेशन भोपाल में गत 13 वर्ष से निर्भया महिला आश्रय गृह संचालित कर रहा है, जिसमें विभिन्न प्रकार से पीड़ित महिलाओं को आश्रय, संरक्षण, भोजन, वस्त्र आदि उपलब्ध कराए जाते हैं। फाउंडेशन इन महिलाओं को आत्म-निर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित करता है। फाउंडेशन द्वारा बैतूल, सीहोर और सागर में वन स्टाप सेंटर सखी भी संचालित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण सम्पूर्ण सेवाकाल की मार्गदर्शिका, दिल दिमाग खुला रख प्राप्त करें : राज्यपाल श्री पटेल

कार्यशैली का लक्ष्य जरूरतमंद वंचित वर्गों का भरोसा और दिल जीतना हो, राज्यपाल से अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने आर.सी.वी.पी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में प्रशिक्षणाधीन अखिल भारतीय सेवा के प्रशासनिक और राजस्व सेवा के अधिकारियों के साथ आत्मीय संवाद किया। अकादमी संचालक श्रीमती सोनाली पोंक्षे वायंगणकर के नेतृत्व में प्रशिक्षु अधिकारी आज सौजन्य भेंट के लिए राजभवन आए थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान दिल-दिमाग को खुला रखकर ज्ञान प्राप्त करें। यह संपूर्ण सेवाकाल में उपयोग आने वाली मार्गदर्शिका है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सेवा भावना के साथ कार्य करने से सारा जीवन आनंद के साथ बीतेगा। उन्होंने कहा कि धन से भौतिक सुख की प्राप्ति हो सकती है लेकिन संवेदनशीलता के साथ दूसरों की मदद ही आत्मिक आनंद प्राप्त करने का तरीका है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सरकार के जन-कल्याणकारी कार्यक्रमों को अंतिम कड़ी तक पहुँचाना अधिकारियों का दायित्व है। इसलिए जरूरी है कि जन-साधारण के साथ आत्मीय व्यवहार करें। आत्मीयता के लिए सामान्य बोलचाल, सरल व्यवहार और संवेदनशील आचरण का पालन पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि शासकीय सेवक की कार्यशैली का लक्ष्य जरूरतमंद तथा वंचित वर्गों का भरोसा और दिल जीतने का होना चाहिए। सेवाकाल के दौरान कई समस्याएँ और चुनौतियाँ आएंगी, जिनके समाधान के लिए जरूरी है कि कार्यक्षेत्र की विशेषताओं को समझते हुए संवेदनशीलता के साथ अधीनस्थ कर्मचारियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तालमेल बना कर प्रयास किए जाएं। अकादमी संचालक श्रीमती सोनाली पोंक्षे वायंगणकर ने स्वागत उद्बोधन दिया। विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी सह प्रशिक्षण संचालक श्रीमती रश्मि बघेल ने आभार माना। प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों की ओर से सुश्री वैशाली, श्री अरविंद और श्री जयदीप लकुम ने प्रशिक्षण में प्राप्त अनुभवों को साझा किया।

एक नजर...

कार्तिक स्नान एवं व्रत कथा श्रद्धा पूर्ण सम्पन्न

पुष्पांजली टुडे से
संवाददाता विशाल सिंह की रिपोर्ट

अमोला थाना अंतर्गत बघरा सांजोर में एक माह से कार्तिक स्नान चल रहा था कार्तिक माह हमारे समस्त ग्राम की माताएं बहने सुबह स्नान करके भगवान विष्णु की पूजा अर्चना करती हैं जो आज संपन्न हुआ, कार्तिक स्नान के वेदों में विभिन्न लाभ बताए गए हैं कार्तिक स्नान का एक अलग ही महत्व है। यह शारीरिक, मानसिक और धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है। कार्तिक स्नान शरद पूर्णिमा आश्विन पूर्णिमा से शुरू होकर कार्तिक पूर्णिमा तक किये जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार कार्तिक महीने में जो लोग भोर से पहले उठकर नदी तालाब आदि में स्नान करके विष्णुजी की पूजा करते है उन पर भगवान की असीम कृपा होती है। भगवान विष्णु कार्तिक मास में जल में निवास करते हैं। जो लोग भोर से पहले पानी से स्नान करते हैं उन्हें सुख समृद्धि और स्वास्थ्य लाभ होता है। जो लोग कार्तिक महीने में समुद्र या नदी में नहाते हैं उन्हें अश्व मेघ यज्ञ जैसा लाभ होता है। इस समय गंगा माता द्रव रूप में नदियों, तालाबों और समुद्र में फैल जाती हैं।

आत्मनिर्भर भारत एवं प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना जागरूक अभियान

रिपोर्टर विजय सिंह परिहार पुष्पांजलि टुडे

करैरा जिला शिवपुरी मध्य प्रदेश। ग्राम पंचायत मामूनी खुर्द में अजीब का मिशन स्व सहायता समूह कीश्रीमंति सुमित्रा लोधी द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत स्वरोजगार योजना की जानकारी कार्यालय सहायक संचालक उद्यान शिवपुरी के कर्मचारी श्री गिर्राज ओझा डीआरपी के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत शिवपुरी के युवा शिक्षित बेरोजगार एवं असंगठित सूचना खाद प्रदर्शक इकाई संचालित करने वाले असंगठित असमर्थ व छोटे व्यापारियों के लिए सुनहरा मौका बताया गया की माननीय प्रधानमंत्री खाद उद्यम उन्नयन योजना के अंतर्गत शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार शिक्षित महिला व पुरुष जिसकी उम्र 18 से 60 वर्ष होना चाहिए जिसमें शासन द्वारा 35 त्न अनुदान दिया जाएगा। शासन की मनसा है कि हर ग्राम में इच्छुक उद्योग करने वाले व्यक्ति रोजगार मिल सके और देश मैं आय का साधन बने उद्योग हेतु राशि बैंक द्वारा दिया जाएगा जैसे सब्जी उत्पादक मसाला उत्पादक अनाज उत्पादक अन्य उत्पादक जैसे पापड़ पास्ता नमकीन कुरकुरे टेस्टी ब्रेड साबूदाना उद्योग गुड तेल मिल पेड़ा पनीर इत्यादि।

मेडिकल कॉलेज में पदस्थ डॉक्टरों एवं मरीजों के परिजनों के मध्य विवाद के कारणों की जांच हेतु अधिकारी नियुक्त

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अक्षय कुमार सिंह ने शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में 1 नवंबर मंगलवार को देर रात मेडिकल कॉलेज में पदस्थ डॉक्टरों एवं मरीजों के प्रतिनिधि / परिजनों के मध्य विवाद की घटना अवांछनीय स्थिति के कारणों की जांच हेतु अनुविभागीय दण्डाधिकारी करेरा श्री दिनेश चंद्र शुक्ला को अधिकृत किया है। उपरोक्त विवाद के संबंध में कोई व्यक्ति को कोई जानकारी प्रदान करनी है या घटना के संबंध में कोई अन्य तथ्यों को संज्ञान में लाना है तो वे संयुक्त कलेक्टर एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी करेरा श्री दिनेश चंद्र शुक्ला को कलेक्टर कार्यालय शिवपुरी स्थित कक्ष क्रमांक 5 में प्रस्तुत होकर कथन या अभिलेख के माध्यम से प्रदान कर सकते है। इस कक्ष में सोमवार व बृहस्पतिवार को उपलब्ध रहेंगे। 12 नवम्बर को अपराह्न 1 बजे घटनास्थल का निरीक्षण करेंगे एवं घटना से संबंधित जानकारी एकत्र करेंगे। घटना के कारणों की जानकारी अधिकृत अधिकारी को 12 नवम्बर को मेडिकल कॉलेज शिवपुरी में भी उपलब्ध कराई जा सकती है।

राजस्व संग्रहण से सम्बन्धित समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई

हजारीबाग। नगर आयुक्त, श्रीमती प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में राजस्व संग्रहण से सम्बन्धित समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। जिसमे नगर आयुक्त के द्वारा मेसर्स रितिका प्रिंटेक प्रा. लि. के प्रतिनिधि को यह निर्देशित किया गया

कि होल्डिंग टैक्स, वाटर यूजर चार्ज, ट्रेड लाइसेंस एवं विज्ञापन शुल्क में बढ़ोतरी किया जाए। सुश्री फरहत अनीसी, नगर प्रबंधक के द्वारा बताया गया की वार्ड सं. 30 के सभी दुकानों का सर्वे किया गया है। जिसमें कुल 629 दुकानें है परन्तु अबतक केवल 447 दुकानदारों के द्वारा ट्रेड लाइसेंस प्राप्त किया गया है। शेष बचे 182 दुकानदारों के द्वारा अबतक ट्रेड लाइसेंस नहीं लिया गया है। जिसके संदर्भ में नगर आयुक्त के द्वारा निर्देशित किया गया, की सभी दुकानदारों को 07 दिनों का निर्गत किया जाए तत्पच्यात उनके दुकानों को सीलबंद करने की कारवाई की जाए। नगर आयुक्त के द्वारा यह भी निर्देशित किया गया की मेसर्स एम. ऐड. कॉम के लगे हुए यूनीपोल पर टेंडर के माध्यम से बंदोबस्ती प्रारंभ की जाए। नगर आयुक्त के द्वारा यह भी निर्देशित किया गया की निगम छेत्र में संचालित धर्मशाला, विवाह भवन बैंक्वेट, लॉज एवम हॉस्टल निर्माण और अनुज्ञप्ति नियमावली, 2013 के अंतर्गत सभी को लाइसेंस लेना अनिवार्य है। लाइसेंस निर्गत किए जाने से सम्बन्धित निगम के कर्मियों को कार्य करने हेतु आदेश दिया गया।नगर आयुक्त के द्वारा यह निर्देशित किया गया की वर्तमान में निगम छेत्र में लगे जिओ फाइबर के पोल की जांच कर उन्हे डिमांड निर्गत किया जाए। उक्त बैठक में सुश्री फरहत अनीसी, नगर प्रबंधक, विकास मंडल, नगर प्रबंधक, विनय कुमार एवं रितिका एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

केन्द्रीय इस्पात एवं उड्डयन मंत्री सिंधिया का भव्य स्वागत

केद्रीय इस्पात एवं उड्यन मंत्री सिंधिया का भव्य स्वागत, भार्गव ने दिया ट्रेनों के स्टोपेज का पत्र सौंपा

आर.एस. रजक
पुष्पांजलि टुडे

कोलारस। केन्द्रीय उडुयन् एवं इस्पात मंत्री श्रीमंत महाराजा ज्योतिरादित्य सिंधिया का कोलारस फोर लाईन पर स्वागत किया। भाजपा जिला कार्यसमिति .सदस्य ओ.पी. भार्गव ने शिवपुरी जिले के कोलारस रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के स्टोपेज किऐ जाने का पत्र सौपा । भार्गव ने पत्र में कोलारस रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेन इदौर -देहरादून इदौर-अमृतसर स्पेशल रतलाम-ग्वालियर इंटरसिटी रतलाम -ग्वालियर इंटरसिटी रतलाम -भिण्ड इंटरसिटी इदौर -चण्डीगढ स्पेशल एवं भोपाल -ग्वालियर सुपर फास्ट का स्टोपेज किऐ जाने की मॉग करने वालों में भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य ओ0 पी. भार्गव प्रदेश पिछडा मोर्चा सदस्य बलवीर निबोरिया नगर पंचायत उपाध्यक्ष रोहित वैश्य पूर्व पार्षद महेश गुप्ता जिला पंचायत सदस्य नवल जाटव जिला किसान मोर्चा जसमन्त जाटव अन्नू पठान मोहित भार्गव अनेक कार्यक्रताओं ने स्वागत किया

भार्गव ने दिया ट्रेनों के स्टोपेज का पत्र सौपा–कोलारस -केन्द्रीय उडुयन् एवं इस्पात मंत्री श्रीमंत महाराजा ज्योतिरादित्य सिंधिया का कोलारस फोर लाईन पर स्वागत किया । भाजपा जिला कार्यसमिति .सदस्य ओ0 पी0 भार्गव ने शिवपुरी जिले के कोलारस रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के स्टोपेज किऐ जाने का पत्र सौपा । भार्गव ने पत्र में कोलारस रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेन इदौर -देहरादून, इदौर-अमृतसर स्पेशल. रतलाम -ग्वालियर इंटरसिटी, रतलाम -ग्वालियर इंटरसिटी रतलाम -भि0ड इंटरसिटी इदौर -चण्डीगढ स्पेशल एवं भोपाल -ग्वालियर सुपर फास्ट का स्टोपेज किऐ जाने की मॉग करने वालों में भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य ओ0 पी0 भार्गव प्रदेश पिछडा मोर्चा सदस्य बलवीर निबोरिया नगर पंचायत उपाध्यक्ष रोहित वैश्य पूर्व पार्षद महेश गुप्ता जिला पंचायत सदस्य नवल जाटव जिला किसान मोर्चा जसमन्त जाटव अन्नू पठान मोहित भार्गव अनेक कार्यक्रताओं ने स्वागत किया ।

टीएल बैठक में की विभागीय कार्यों की समीक्षा और अधिकारियों को दिए निर्देश

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने सोमवार को आयोजित अंतरविभागीय समन्वय बैठक में सीएम हेल्पलाइन और लंबित समय सीमा पत्रों की समीक्षा की और सभी अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। अभी जिले में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए अभियान चलाकर काम किया जा रहा है और आयुष्मान कार्ड में प्रगति देखी गई है। इसी प्रकार सीएमएचओ पूरी टीम के साथ काम करें तो लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे। इसके अलावा अन्य विभागीय योजनाओं की भी समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर विवेक रघुवंशी, जिला पंचायत सीईओ उमराव मरावी सहित समस्त एसडीएम और विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने जिले में उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। इसके अलावा राशन वितरण के संबंध में भी निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए बैठक में उपस्थित जनपद सीईओ को निर्देश देते हुए कहा कि जिन विकासखंडों में प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति कम है वह तेजी से काम पर लगे।

बैठक में नशा मुक्ति अभियान के संबंध में भी चर्चा की गई। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने सामाजिक न्याय विभाग की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विभाग द्वारा स्कूल व कॉलेज में भाषण व वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित कराई जाए। जगह-जगह नशा मुक्ति अभियान को लेकर स्टीकर लगाए। लोगों से वचन पत्र भरवाए जाएं। नशा मुक्ति को लेकर प्रचार प्रसार करें जिससे लोगों में जागरूकता आये।

राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता के आयोजन के संबंध में बैठक आयोजित

18 से 21 नवंबर तक आयोजित होगी खेल प्रतियोगिताएं

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। 66वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता बालक-बालिका 2022 का आयोजन शिवपुरी में किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 18 नवंबर से 21 नवंबर तक आयोजित होगी। खेल प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियों को लेकर सोमवार को बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह को जिला शिक्षा अधिकारी और खेल अधिकारी ने खेल प्रतियोगिता की तैयारियों के संबंध में जानकारी दी। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने बैठक में उपस्थित संबंधित अधिकारियों और स्कूल संचालकों से प्रतियोगिता के आयोजन के संबंध में चर्चा की और कहा कि इस राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बालक बालिकाओं के ठहरने की व्यवस्था ठीक होना चाहिए। इसमें नगर पालिका द्वारा साफ-सफाई और पेयजल की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा पीडब्ल्यूडी, स्वास्थ्य विभाग पुलिस, आदिम जाति कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों को जो जिम्मेदारी दी गई हैं वह समय पर तैयारियां करें। बैठक में अशासकीय विद्यालय के संचालक भी बैठक में उपस्थित थे। अशासकीय विद्यालयों द्वारा भी आवास व्यवस्था और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम व वाहन व्यवस्था बनाने में जो भूमिका रहेगी। वह जिला शिक्षा अधिकारी व खेल अधिकारी के साथ समन्वय से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

दंदरौआ धाम में शुरू होगी कथा

मेहगांव विधायक ओपीएस भदौरिया ने रामदास महाराज के साथ ली प्रशासनिक अधिकारियों की समीक्षा बैठक

दैनिक पुष्पांजली टुडे बृजपाल सिंह गुर्जर मेहगांव – मेहगांव विधायक ओपीएस भदौरिया ने कल से दंदरौआ धाम में शुरू होने वाले सिय पिय मिलन समारोह एवं 14 नवंबर से शुरू होने वाली बागेश्वर धाम सरकार की हनुमान कथा एवं दिव्य दरबार की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की। इस दौरान दंदरौआ धाम पर महंत रामदास महाराज के साथ भिंड एसपी शैलेन्द्र सिंह, मेहगांव एसडीएम वरुण अवस्थी, गोहद एसडीएम शुभम शर्मा, मेहगांव एसडीओपी राजेश राठौड़, गोहद एसडीओपी, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजवीर गुर्जर, सहित विद्युत विभाग के अधिकारी, जल एवं संसाधन विभाग के अधिकारी, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ मौ थाना प्रभारी, मेहगांव थानाप्रभारी, मौ नप अध्यक्ष सज्जन सिंह यादव, पूर्व नप अध्यक्ष मुकेश भारद्वाज के साथ पत्रकार एवं प्रशासनिक अमला उपस्थित रहे। इस दौरान मेहगांव विधायक ओपीएस भदौरिया ने वहां होने वाली प्रतिदिन की पार्किंग व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की। वहीं आने वाले भक्तों एवं श्रद्धालुओं की व्यवस्था, एवं भंडारे की व्यवस्था को लेकर चर्चा की।

प्रतिदिन 2 लाख श्रद्धालुओं के आने की है संभावना, तैयारियां जोरों पर–दंदरौआ धाम पर 14 नवंबर से विशाल दिव्य दरबार एवं हनुमान कथा में देश विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। इस दौरान कथा के मुख्य यजमान समाजसेवी अशोक भारद्वाज के द्वारा विशाल तैयारियां की जा रही है। वहीं सभागार की बात की जाए तो एक साथ सभागार में डे? लाख लोगों के बैठने के व्यवस्था कि जा रही है। वहीं एक साथ हजारों की संख्या में भोजन प्रसादी कराने की व्यवस्था की गई है। वहीं डॉ हनुमान के दर्शनों के लिये भी विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जायेगी।

हजारीबाग यूथ विंग ने जरूरतमंद लोगों के बीच किया वस्त्र का वितरण

हजारीबाग शहर से 7 किलोमीटर दूर स्थित नरसिंह स्थान मंदिर परिसर में कार्तिक पूर्णिमा से एक दिन पूर्व श्रद्धालुओं ने बाबा का दर्शन किया इसी बीच मंदिर परिसर के बाहर भव्य मेला का आयोजन किया गया जिसमें कई जरूरतमंद लोग अपनी जरूरत को लेकर लोगों से आस एवं उम्मीद लगाए बैठे थे। तो वहीं शहर के सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने वाले हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन के दिशा निर्देश में नरसिंह स्थान मंदिर परिसर के बाहर जरूरतमंद लोगों के बीच वस्त्र का वितरण किया गया। यह वो वस्त्र था जो, जिनके पास जरूरत नहीं थी वैसे वस्त्रों को इकट्ठा कर यूथ विंग की टीम ने जरूरतमंदों को देना उचित समझा। ताकि प्रचंड ठंड में उन्हें ठंड से राहत मिल सके हमारी कोशिश है कि हर जरूरतमंद तक हम पहुंचे और उन्हें मदद करें यही उद्देश्य के साथ यूथ विंग अपनी सेवा प्रदान कर रही है। हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि यूथ विंग के टीम के सदस्यों के द्वारा नरसिंह स्थान मंदिर परिसर में जरूरतमंद लोगों के बीच वस्त्र का वितरण किया गया। शहर के कई लोगों के द्वारा जरूरत ना आने वाले वस्तुओं को इकट्ठा कर उन लोगों के बीच वितरण किया गया है सभी वस्त्र पहनने लायक और बेहद साफ-सुथरे स्थिति में थे।मौके पर अध्यक्ष विशाल खण्डेलवाल, सचिव संजय कुमार, उपाध्यक्ष विकास केसरी, रितेश खण्डेलवाल, सिद्धांत मद्धेशिया, अतिशय जैन सहित कई लोग मौजूद थे।

शहर के कई लोगों से वस्त्र का इकट्ठा कर जरूरतमंदों तक उन्हें वितरण किया गया

शिवपुरी पुलिस द्वारा हॉटल, लोज, ढ़वा संचालकों की पुलिस कन्ट्रोल रुम शिवपुरी में ली मीटिंग

पुलिस द्वारा संचालकों को सी-फॉर्म एवं एस-फार्म के लिये दिया प्रशिक्षण

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। शिवपुरी पुलिस द्वारा जिले के हॉटल, लोज, एवं ढ़ावा संचालकों को पुलिस कन्ट्रोल रुम शिवपुरी मे बुलाकर मीटिंग ली एवं पुलिस द्वारा संचालकों को विदेशी नागरिकों के आने पर सी-फॉर्म एवं एस-फार्म के लिये प्रशिक्षण भी दिया । पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेश के पालन मे आज पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल मे मार्गदर्शन मे अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया द्वारा पुलिस कन्ट्रोल रुम शिवपुरी मे हॉटल, लोज, ढ़ावा संचालकों की मीटिंग ली एवं सी-फॉर्म एवं एस-फार्म भरने के संबंध मे प्रशिक्षण भी दिया, अति. पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशिक्षण मे बताया गया कि यदि आपके प्रतिष्ठानों पर कोई विदेशी

नागरिक आता है तो उसकी जानकारी लेकर सी-फॉर्म अवश्य भरें। सी-फॉर्म भरते ही यह जानकारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं वरिष्ठ कार्यालय पहुंच जायेगी, अति. पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सभी को निर्देशित किया गया कि यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति आता है तो उसकी जानकारी तुरंत संबंधित थाना एवं पुलिस को जरुर दें, रुकने बालों की रजिस्टर मे सही तरीके से इंट्री करें एवं आने बाले लोगों से पूरी जानकारी व पहचान पत्र लेना है जिससे संदिग्ध व्यक्तियों एवं आरोपीयों पर कार्यवाही की जा सके । प्रशिक्षण मे अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया, थाना प्रभारी देहात निरी. विकास यादव, थाना प्रभारी फिजीकल उनि. कृपाल सिंह राठौड एवं थाना कोतवाली से उनि. अरविंद छारी उपस्थित रहे ।

निगमायुक्त की संवेदनशीलताः

सीढ़ियों पर बैठ वृद्धा की सुनी परेशानी, आधा घंटे में बहाल हुई वृद्धापेंशन

ग्वालियर । मध्यप्रदेश शासन द्वारा वृद्धजनों को दी जाने वाली पेंशन विगत माह से काशीबाई की बंद हो गई थी। वृद्धा काशीबाई निवासी जडेरूआ को जब पेंशन बंद होने की जानकारी मिली तो पेंशन चालू कराने के लिये प्रयासरत थीं। सोमवार को वृद्धा काशीबाई अपनी पेंशन चालू कराने के लिए नगर निगम मुख्यालय में आईं थीं।

यहां पर मीटिंग हॉल के बाहर सीढियों पर वृद्धा काशीबाई बैठी थीं। तभी नगर निगम आयुक्त किशोर कन्याल मीटिंग के लिये वहां से निकले और सीढियों पर परेशान काशीबाई को देखकर उनसे कारण पूछा और वहीं बैठकर उनकी परेशानी सुनी। काशीबाई ने बताया कि वह पेंशन चालू कराने के लिए नगर निगम में आई हैं, लेकिन उनका काम नहीं हो रहा है। निगमायुक्त किशोर कन्याल ने वृद्धा काशीबाई से कहाकि वह कहीं जाए नहीं आधा घंटे में आपकी पेंशन चालू होगी। इसके बाद निगमायुक्त ने वृद्धा काशीबाई के दस्तावेज चैक किए। इसमें एक दस्तावेज कम था, वृद्धा अपनी नातिन के साथ नगर निगम आई थीं। नातिन ने बताया कि वह दस्तावेज घर पर छूट गया है। निगमायुक्त ने तत्काल निगम की कार में वृद्धा की नातिन को बिठाकर उनके घर भेजकर दस्तावेज मंगवाया। साथ ही स्टाफ को निर्देश दिए कि वृद्धा काशीबाई को आफिस के अंदर बिठाया जाए साथ ही उन्हें चाय, पानी और बिस्किट दिए जाएं। आधा घंटे के अंदर वृद्धा काशीबाई की पेंशन चालू हो गई जिसका प्रमाण पत्र नगर निगम आयुक्त ने बीच बैठक में बुलाकर उन्हें दिया। पेंशन चालू होने के बाद वृद्धा काशीबाई ने नगर निगम आयुक्त किशोर कन्याल को धन्यवाद के साथ ही अनेक आशीर्वाद भी दिए।

रोजगार कार्यालय में 11 नवम्बर को प्लेसमेंट ड्राइव, 4 निजी कंपनियाँ आयेंगीं भर्ती करने

ग्वालियर। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश निर्माण के तहत जिला रोजगार कार्यालय में 11 नवम्बर को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया है। इस दिन यह प्लेसमेंट ड्राइव यहाँ रेडीमेड गारमेंट पार्क परिसर गदाईपुरा मुरैना लिंक रोड़ में स्थित जिला रोजगार कार्यालय में प्रातः 11 बजे से शुरू होगी। प्लेसमेंट ड्राइव में निजी क्षेत्र की 4 कंपनियाँ विभिन्न पदों पर भर्ती के लिये आ रही हैं। उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्लेसमेंट ड्राइव में आरएफएमआई ग्रुप ग्वालियर द्वारा डिजिटल मैनेजर, फील्ड मैनेजर व एकाउण्ट एक्जीक्यूटिव की भर्ती की जायेगी। स्नातक से लेकर 10वीं व 12वीं कक्षा परीक्षा उत्तीर्ण 18 से 35 आयु वर्ग के युवा इस भर्ती में भाग ले सकते हैं। इसी तरह सेनेटस लेबोरेट्रीज प्रा. इंडिया लि. ग्वालियर द्वारा लैब टेक्नीशियन, रिशेप्सनिस्ट व अकाउंटेंट की भर्ती की जायेगी। इस कंपनी में भर्ती के लिये 22 से 35 वर्ष आयु वर्ग के बीई सिविल, बीएससी, एमबीए व बीकॉम योग्यताधारी अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। प्लेसमेंट ड्राइव में एयरटेल ग्वालियर द्वारा मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव की भर्ती की जायेगी। इस कंपनी की भर्ती में 12वीं कक्षा पास 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इसी तरह जेबी मंगाराम कंपनी ग्वालियर द्वारा अप्रेंटिस की भर्ती की जायेगी। इसके लिये 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के 10वीं - 12वीं पास, आईटीआई व फिटर इलेक्ट्रीशियन भाग ले सकते हैं। चयनित होने वाले अभ्यर्थियों को आरंभ में 5 हजार से लेकर 28 हजार रूपए तक वेतन देय होगा। निजी कंपनी में नौकरी करने के इच्छुक युवा अपना रोजगार पंजीयन क्रमांक, शैक्षणिक योग्यता से संबंधित प्रमाण-पत्र व बायोडाटा के साथ उपस्थित होकर इस भर्ती में भाग ले सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिये जिला रोजगार कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

शहरों की तर्ज पर गाँवों में भी सरकार घर-घर नल से पानी पहुँचा रही है : मंत्री कुशवाह

ग्वालियर । शहरों की तर्ज पर ग्रामीण अंचल में भी घर-घर नल से पेयजल उपलब्ध कराने का काम सरकार द्वारा किया जा रहा है। जल जीवन मिशन के तहत हर गाँव में नल-जल योजनायें मूर्त रूप ले रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल जीवन मिशन शुरू कर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की दिशा में क्रांतिकारी कदम उठाया है। यह बात उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह ने सोमवार को जिले के विकासखंड मुरार के ग्राम चपरौली, भवनपुरा व सोनी में नल-जल योजनाओं के भूमिपूजन कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कही। भूमिपूजन कार्यक्रमों की अध्यक्षता जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव ने की। इस अवसर पर अतिथि द्वय ने सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ भी वितरित किए। चपरौली, भवनपुरा व सोनी में अलग-अलग नल-जल योजनाओं की स्थापना के लिये सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के तहत कुल 2 करो? 40 लाख रूपए से अधिक राशि मंजूर की है। इन तीनों गाँवों में पेयजल टंकियों के निर्माण सहित हर घर तक नल की टोंटी से पानी उपलब्ध कराने के लिए पाइप लाईन बिछाई जायेंगीं। कुल मिलाकर तीनों गाँवों के 711 परिवारों को अपने घर में नल से जल उपलब्ध होगा। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कुशवाह ने कहा मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जल जीवन मिशन को विशेष प्राथमिकता दी है। इसी वजह से प्रदेश में तेजी के साथ नल-जल योजनायें मूर्तरूप ले रही हैं। उन्होंने कहा खुशी की बात है कि नल-जल योजनायें तैयार होने पर गाँव की महिलाओं को अब हैंडपंप पर लाईन लगाकर पानी भरने की जरूरत नहीं रहेगी। उन्होंने कहा मुरार ग्रामीण क्षेत्र के गाँवों में जल जीवन मिशन के तहत तेजी के साथ नल-जल योजनाओं का निर्माण कराया जा रहा है। मंत्री कुशवाह ने इस अवसर पर पीएचई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी गाँव में नल-जल योजना के लाभ से कोई भी परिवार वंचित न रहे। साथ ही पेयजल लाइन सहित टंकियों का निर्माण उच्च गुणवत्ता के साथ कराया जाए। जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश जाटव ने कहा कि ग्रामीण अंचल के विकास में जिला पंचायत से भ्रपूर मदद मिलेगी। उन्होंने इस अवसर पर ग्राम पंचायतों के पदाधिकारियों का आह्वान किया कि वे अपने गाँव की नल-जल योजनाओं को बेहतर ढंग से संचालित करने में सहयोगी बनें, जिससे हर घर में सतत रूप से नल से पानी पहुँचता रहे। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री कोचर ने इस दौरान जानकारी दी कि ग्राम चपरौली में 79 लाख 74 हजार, भवनपुरा में 72 लाख 19 हजार और ग्राम सोनी में 88 लाख 45 हजार रूपए की लागत से नल-जल योजना मंजूर हुई है। नल जल योजना से ग्राम चपरौली के 227 परिवार, भवनपुरा के 204 व सोनी के 280 परिवारों के घरों में नल कनेक्शन दिए जायेंगे। ग्राम सोनी में उच्च स्तरीय टंकी व भू-स्तरीय पानी की टंकियां बनाई जायेंगीं। चपरौली व भवनपुरा में संपवैल अर्थात भू-स्तरीय पानी की टंकी बनेगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण, संबंधित अधिकारी एवं ब?ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

शासकीय सेवकों से संबंधित ई-भुगतान के संबंध में नई प्रणाली लागू

ग्वालियर। शासकीय भुगतान प्रणाली में आईएफएमआईएस में आधार आधारित भुगतान प्रणाली (एईपीएस) सुविधा विकसित की गई है। इस प्रणाली के तहत निर्धारित एजेंसी बैंक अर्थात भारतीय स्टेट बैंक द्वारा एईपीएस प्रणाली से सर्वर टू सर्वर ई-फाइल ट्रांसफर कर एनपीसीआई (नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया) के माध्यम से हितग्राही के आधार लिंक बैंक खाते में ई-भुगतान किया जायेगा। इस प्रणाली के लिये अब बैंक खाते में अंग्रेजी वर्णाक्षरों में दर्ज प्रत्येक हितग्राही का नाम आईएफएमआईएस में दर्ज होना जरूरी है। हर शासकीय सेवक को कोषालयों से भुगतान प्राप्त कर रहे हैं वे आईएफएमआईएस में स्वतः लॉगइन कर अंग्रेजी वर्णाक्षरों में अपना सही नाम दर्ज कर सकते हैं। यदि कोई कठिनाई हो तो जिला कोषालय में संपर्क किया जा सकता है। इसी प्रकार ऐसे आहरण एवं संवितरण अधिकारी जिनके अधीनस्थ कार्यालयों को अलग से आहण संवितरण अधिकार प्राप्त नहीं हैं उनके लिये लोकल ऑफिस मैपिंग की सुविधा प्रदान की गई है। इस प्रकार लोकल ऑफिस मैपिंग के पश्चात अधीनस्थ अधिकारियों की पोस्ट भी मैप की जा सकेगी। यह प्रक्रिया पूरी होने पर ट्रांसफर, रिलीव, वेतन आहरण, बजट, आंकलन व रिक्त एवं भरे पदों की जानकारी सिस्टम में उपलब्ध रहेगी।

कार्तिकेय मंदिर में 400 वर्ष पुरानी दिव्य प्रतिमा, पट खुले, दर्शनों को उमड़ी भीड़

ग्वालियर। शहर में देश का सबसे पुराना कार्तिकेय मंदिर स्थित है। इस मंदिर के पट साल में केवल एक दिन कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर खोले जाते हैं। मंदिर के गर्भगृह में भगवान कार्तिकेय की 400 वर्ष पुरानी दिव्य प्रतिमा स्थापित है। कहा जाता है कि देश में भगवान कार्तिकेय का ऐसा मंदिर कहीं और नहीं है। साल में केवल एक बार खुलने वाले इस मंदिर को देखने के लिए देशभर से लोग यहां पहुंचते हैं। ग्वालियर के प्राचीन कार्तिकेय मंदिर के पट वर्ष में केवल एक बार सिर्फ 24 घंटों के लिए खोले जाते हैं। मंदिर में दर्शन के लिए आधी रात से ही भीड़ लगना शुरू हो जाती है। हालांकि इस साल मंदिर के पट पूर्णिमा से एक दिन पहले खोले गए हैं, क्योंकि पूर्णिमा को चंद्र ग्रहण हो रहा है। मंदिर के पट खुलते ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालु भगवान कार्तिकेय की पूजा अर्चना कर प्रसादी चड़ा अपनी मनोकामना मांग रहे हैं। कार्तिकेय भगवान का यह प्राचीन मंदिर ग्वालियर के जीवाजी गंज में स्थित है। मंदिर के 80 वर्षीय पुजारी पंडित जमुना प्रसाद शर्मा का कहना है कि यह मंदिर लगभग 400 वर्ष से भी ज्यादा प्राचीन है और जब ग्वालियर में सिंधिया राजाओं का शासन हुआ तो उन्होंने मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया। तब से यहां लगातार पूजा अर्चना का दौर जारी है। देशभर के कई मंदिरों के पट जहां सुबह ब्रह्म मुहूर्त में खोले जाते हैं। वहीं, साल में केवल एक दिन खुलने वाले इस मंदिर के पट मध्यरात्रि में ठीक बारह बजे खुलते हैं और इसी के साथ दर्शन शुरू हो जाते हैं। कार्तिकेय भगवान का मंदिर वैसे तो मध्यप्रदेश में स्थित है। लेकिन यहां दर्शन करने के लिए यूपी, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली के साथ ही देश के दूरस्थ राज्यों से भी भक्त ग्वालियर पहुंचते हैं और भगवान कार्तिकेय की पूजा अर्चना कर दर्शन का सुख प्राप्त करते हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि यहां दर्शन करने से भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है। पुजारी जमुना प्रसाद शर्मा शास्त्रों के हवाले से बताते हैं कि भगवान शिव और माता पार्वती ने जब अपने पुत्र गणेश और कार्तिकेय के विवाह की सोची तो दोनों के सामने शर्त रखी कि जो ब्रह्मांड की परिक्रमा करके सबसे पहले लौटेगा, उसका विवाह सबसे पहले करेंगे। इसके बाद कार्तिकेय अपने वाहन गरुड़ पर सवार होकर ब्रह्मांड परिक्रमा करने निकल गए। भगवान गणेश ने बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन करते हुए अपने माता-पिता की परिक्रमा की और सामने आकर बैठ गए। उनका विवाह हो गया। यह बात नारदमुनि के जरिये कार्तिकेय को पता चली तो वे क्रोधित हो गए। यह पता चलने पर शिव पार्वती उन्हें मनाने पहुंचे तो उन्होंने श्राप दिया कि जो भी उनके दर्शन करेगा वह सात जन्मों तक नरक भोगेगा। लेकिन माता-पिता के बहुत मनाने पर वे अपने श्राप को थोड़ा परिवर्तन करने को राजी हुए। उन्होंने वरदान दिया कि उनके जन्मदिन कार्तिक पूर्णिमा पर जो भी भक्त उनके दर्शन देगा उसकी हर मनोकामना पूर्ण होगी। तभी से उनके दर्शन वर्ष में एक बार करने कीी प्रथा शुरू हुई।

दस लाख लीटर की टंकी का डीएमए से किया मिलान

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के नागरिकों को पर्याप्त एवं स्वच्छ पानी मिले इसके लिये निरंतर प्रत्येक स्तर पर मॉनिटरिंग की जाकर जल प्रदाय की व्यवस्थाओं को सुदृण किया जा रहा है। जिसके तहत अमृत की लाइनों का मिलान, लीकेज लाइनों का संधारण कार्य सहित अन्य आवश्यक कार्य तथा जल प्रदाय के समय पानी के सेम्पल लेकर उनका परीक्षण भी कराया जा रहा है। कार्यपालन यंत्री श्री संजय सोलंकी ने जानकारी देते हुए बताया कि महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार, सभापति श्री मनोज सिंह तोमर एवं नगर निगम आयुक्त किशोर कन्याल के निर्देशानुसार शहर के नागरिकों को स्वच्छ व पर्याप्त पेयजल के लिये पीएचई विभाग द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग व संधारण कार्य किये जा रहे हैं। सहायक यंत्री केसी अग्रवाल एवं सहायक यंत्री प्रवीण दीक्षीत के द्वारा अमृत योजना के तहत बनाई गई पानी की टंकियों के डीएमए का मिलान पीएचई विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को न्यू शांति नगर में बनाई गई 10 लाख लीटर की पानी की टंकी का मिलान डीएमए से किया गया है। इसके चलते अब वार्ड क्रमांक 35 में अमृत के पानी की सप्लाई प्रारंभ हो जाएगी। इसके साथ ही सिंधी कालोनी तिराहे पर पानी की लाइन फूट गई थी। सूचना मिलने पर पीएचई विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पानी की लाइन को जोडा है। इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 38 शंकर कॉलोनी में 100 एमएम व्यास की जलप्रदाय लाइन का संधारण कार्य किया गया। वार्ड 50 में मंदसौर वाली गली एवं वार्ड 48 में कदम साहब का बाडा तथा वार्ड 53 एवं 52 में लीकेज पानी की लाइन के संधारण का कार्य कराया गया।

बजरंगी दादा महाराष्ट्र से दिल्ली तलब, निगम चुनावों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी

ग्वालियर। बजरंगी दादा और भाजपा के वरिष्ठ नेता कुंवर जयभान सिंह पवैया को आज अचानक महाराष्ट्र से दिल्ली बुला लिया गया है। उन्हें भाजपा आलाकमान ने दिल्ली में होने जा रहे नगर निगमों के चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुंवर जयभान सिंह पवैया चूंकि महाराष्ट्र में वर्तमान में भाजपा के सहप्रभारी भी हैं अतः उन्हें महाराष्ट्र में दौरे के बीच से अचानक दिल्ली बुलाकर नगर निगम चुनावों की कमान देना महत्वपूर्ण बात है। वैसे बजरंगी दादा पवैया 2019 में भी दिल्ली में चुनावों की कमान संम्हाल चुके हं। दिल्ली में भी उनके समर्थकों का फौज फांटा है और दिल्ली के लोग उनको साफ सुथरे ईमानदार हिन्दुत्ववादी नेता के रूप में पसंद करते हैं। इसीलिये भाजपा आलाकमान ने ऐन वक्त पर पवैया को दिल्ली बुलाकर बाजी को शत प्रतिशत अपने पक्ष में करने की तुरूप चाल चली है। वैसे भी बजरंगी दादा पवैया इस समय आलाकमान के दुलारे नेता है और उन्हें कठिन मोर्चो पर कमान संम्हालने भेजा जाता है। महाराष्ट्र में भी पवैया ने सह प्रभारी बनने के बाद वहां बिखरे पडे भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं को एकजुट करने में काफी मेहनत की है।

निगमायुक्त कन्याल ने सीएम हेल्प लाइन की समीक्षा, दिये आवश्यक दिशा निर्देश

ग्वालियर । नगर निगम आयुक्त किशोर कन्याल ने आज सीएम हेल्प लाइन, मेयर एवं सभापति हेल्प लाइन व विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए नाराजगी व्यक्त की तथा अपर आयुक्त मुकुल गुप्ता को निर्देशित किया कि एल-3 व एल-4 पर पेंडिग समस्यायें जिन जिन अधिकारियों की हैं उन सभी को नोटिस जारी किया जाए। साथ ही कहा कि सीएम हेल्पलाइन, मेयर हेल्प लाइन व सभापति हेल्प लाइन पर आने वाली समस्याओं का निराकरण तत्काल उसी दिन किया जाए। इसमे किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में अपर आयुक्त अतेन्द्र सिंह गुर्जर, अपर आयुक्त मुकुल गुप्ता, अपर आयुक्त वित्त श्रीमती रजनी शुक्ला, अधीक्षण यंत्री जेपी पारा, उपायुक्त सुश्री मिनी अग्रवाल, उपायुक्त प्रदीप श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निगम के प्रशासनिक भवन के सभागार में आयोजित बैठक में निगमायुक्त कन्याल ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान निगमायुक्त कन्याल ने सीएम हेल्पलाइन एवं पत्रों का रिव्यु करते हुए कहा कि गत माह की 2652 सीएम हेल्पलाइन लंबित है। जिसमें सबसे ज्यादा प्रकाश व्यवस्था एवं सीवरेज की है। स्वच्छता, भवन अनुज्ञा, अतिक्रमण, आवारा पशु, आवारा कुत्ते, राजस्व, पेयजल, उद्यान, पार्किंग, जन कल्याणकारी योजना एवं अतिक्रमण से संबंधित शिकायतें हैं, सभी शिकायतों का तत्काल निराकरण करें। इसके साथ ही निगमायुक्त कन्याल ने जनप्रतिनिधियों के आने वाले पत्रों के जबाव संतुष्टि के साथ समय सीमा में देने के निर्देश दिये। सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही करने पर उपयंत्री विद्युत महेन्द्र कुशवाह एवं सहायक स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र परमार का एक-एक इंक्रीमेंट रोकने के निर्देश दिये। इसके साथ ही निगमायुक्त कन्याल ने एक सीएसआर खाता खुलवाने के भी निर्देश दिये। जिसमें सक्षम लोगों से एवं कार्य मे लापरवाही करने वाले अधिकारियों से दण्ड स्वरूप वसूली जाने वाली राशि जमा कराई जाए। इसके साथ ही उन्होंने सीएम हेल्प लाइन पर आने वाली समस्याओं के संबंधित अधिकारियों से बारी-बारी से समस्याओं को जाना व उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिये।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478